■ फाल्गुन कृष्णा - 1 ■ संवत 2081 ■ वर्ष - 12 ■ अंक - 198 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » गुरुवार » 13-02-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 राजद के शासनकाल के दौरान लोग शाम के बाद घर से बाहर निकलने से डरते थे : नीतीश

6 भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व करे

7 मैं गणित में कमजोर थी: दीपिका पादुकोण

फर्स्ट टेक

‘इंडियाज गॉट लैटेंट’ की सभी कड़ियां हटाई गईं

नई दिल्ली/भाषा। कॉमेडियन समय रैना ने बुधवार को कहा कि उन्होंने ‘इंडियाज गॉट लैटेंट’ में सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर रणवीर इलाहाबादिया की आपत्तिजनक टिप्पणी से उपजे विवाद के मद्देनजर इस रियल्टी शो की सभी कड़ियां अपने यूट्यूब चैनल से हटा दी हैं। रैना (27) ने यह भी कहा कि वह मामले की जांच में सभी जांच एजेंसियों का सहयोग करेंगे। उन्होंने ‘एक्स’ पर पोस्ट किया, जो कुछ भी हो रहा है, उसे झेलना मेरे लिए बहुत मुश्किल है। मैंने अपने चैनल से ‘इंडियाज गॉट लैटेंट’ के सभी वीडियो हटा दिए हैं। मेरा एकमात्र उद्देश्य लोगों को हंसाना और अच्छा समय बिताना था। मैं यह सुनिश्चित करने के लिए सभी एजेंसियों के साथ पूरा सहयोग करूंगा कि उनकी जांच निष्पक्ष रूप से संपन्न हो। धन्यवाद।

गुजरात में समय रैना के शो रद्द किए गए : विहिप का दावा

अहमदाबाद/भाषा। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने बुधवार को दावा किया कि कॉमेडियन समय रैना के गुजरात में होने वाले शो को विवादास्पद यूट्यूब रियलिटी शो ‘इंडियाज गॉट लैटेंट’ के नवीनतम एपिसोड में उनके द्वारा की गई अभद्र टिप्पणियों पर लोगों के रोष के बाद रद्द कर दिया गया है। विहिप ने कहा कि रैना के अप्रैल में होने वाले शो के टिकट अब ऑनलाइन मंच ‘बुकमाइशो’ पर बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं हैं। ‘इंडियाज गॉट लैटेंट’ में सोशल मीडिया ‘इंफ्लूएंसर’ रणवीर इलाहाबादिया की आपत्तिजनक टिप्पणियों की बड़े पैमाने पर आलोचना हो रही है। इस संबंध में कई पुलिस शिकायतें दर्ज कराई गई हैं। गुजरात विहिप के प्रवक्ता हितेंद्र सिंह राजपूत ने कहा, कॉमेडियन रैना के राज्य में चार शो होने वाले थे। ये शो 17 अप्रैल को सूरत में, 18 अप्रैल को वडोदरा में और 19 व 20 अप्रैल को अहमदाबाद में (दो शो) होने वाले थे।

यूक्रेन के लिए नाटो की सदस्यता अव्यावहारिक : अमेरिकी रक्षा मंत्री

ब्रसेल्स/एपी। अमेरिका के रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ ने बुधवार को कहा कि यूक्रेन के लिए उत्तर अटलांटिक संधि संगठन (नाटो) की सदस्यता की उम्मीद अव्यावहारिक थी। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के लिए आगे का रास्ता यह है कि वह सीमा के लिहाज से 2014 से पहले की स्थिति की वापसी की उम्मीदें छोड़ दे और रूस के साथ एक ऐसे समझौते के लिए तैयार हो जाए, जिसे अंतरराष्ट्रीय सैनिकों वाले संभावित शांतिरक्षक बल का समर्थन हासिल हो। हेगसेथ ने नाटो और यूक्रेन रक्षा संपर्क समूह के सदस्य देशों के प्रतिनिधियों से मुलाकात के दौरान ये टिप्पणियां कीं।

मोदी और मैक्रों ने वार्ता की, हिंद-प्रशांत क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने पर सहमति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ दोनों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया और सुरक्षा परिषद के मामलों सहित विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर निकटता से समन्वय करने पर सहमति व्यक्त की।

मारसेई/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बुधवार को दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने का आह्वान करते हुए हिंद-प्रशांत क्षेत्र और विभिन्न वैश्विक मंचों एवं पहलों में अपनी सहभागिता को और प्रगाढ़ करने की प्रतिबद्धता जताई।

दोनों नेताओं ने अपनी व्यापक बातचीत के बाद यह सुनिश्चित करने के लिए ठोस कार्रवाई करने की अपनी प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया कि वैश्विक एआई क्षेत्र सार्वजनिक हित में लाभकारी सामाजिक, आर्थिक, पर्यावरण संबंधी परिणाम प्रदान करे।

दोनों नेताओं की यहां हुई बैठक के बाद जारी एक संयुक्त बयान में कहा गया कि वार्ता में द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण आयामों के साथ-साथ प्रमुख वैश्विक और क्षेत्रीय मुद्दों को शामिल किया गया।

दोनों नेताओं ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में सुधार की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया और सुरक्षा परिषद के मामलों सहित विभिन्न वैश्विक मुद्दों पर निकटता से समन्वय करने पर सहमति व्यक्त की।

फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों ने यूएनएससी में भारत की स्थायी सदस्यता के लिए फ्रांस के दृढ़ समर्थन को दोहराया। दोनों नेताओं ने भारत-फ्रांस रणनीतिक साझेदारी के लिए अपनी सुदृढ़ प्रतिबद्धता दोहराई और इस बात पर गौर किया कि यह पिछले 25 वर्षों में क्रमिक तरीके से एक बहुआयामी संबंध में विकसित हुई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कल शाम फ्रांस के राष्ट्रपति के विमान में पेरिस से मारसेई के लिए उड़ान भरी थी। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों के संपूर्ण आयाम पर और प्रमुख वैश्विक एवं क्षेत्रीय मुद्दों पर यहां चर्चा की। मारसेई में आगमन के बाद प्रतिनिधिमंडल स्तर की वार्ता हुई।

दोनों नेताओं ने रक्षा, असैन्य परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष के रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग की समीक्षा की। उन्होंने प्रौद्योगिकी तथा नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग मजबूत करने के तरीकों पर भी विचार-विमर्श किया।

अमेरिका के लिए रवाना हुए प्रधानमंत्री मोदी

पेरिस/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को फ्रांस की अपनी दो दिवसीय यात्रा पूरी करने के बाद अमेरिका के लिए रवाना हो गए जहां वह राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात करेंगे। फ्रांस में प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के साथ ‘आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक्शन समिट’ की सह-अध्यक्षता की। मैक्रों के साथ उन्होंने द्विपक्षीय चर्चा भी की। अमेरिका में, प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रपति ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। जनवरी में ट्रंप के अमेरिका के 47वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के बाद मोदी ट्रंप से मिलने वाले चौथे विदेशी नेता होंगे।

सिख विरोधी दंगे : सज्जन कुमार दूसरे मामले में दोषी करार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने 1984 के सिख दंगों से संबंधित दूसरे मामले में कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार को दोषी करार दिया है जबकि उनके खिलाफ दो और मामले दर्ज हैं।

कुमार को एक नवंबर 1984 को दिल्ली के सरस्वती विहार में हुई हिंसा के दौरान जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या के मामले में दोषी करार दिया गया है। अदालत में 18 फरवरी को सजा पर बहस होगी। इस मामले में अधिकतम सजा मृत्युदंड और न्यूनतम सजा आजीवन कारावास है।

सज्जन कुमार को दक्षिण-पश्चिम दिल्ली के पालम कॉलोनी के राज नगर पार्ट-ख क्षेत्र में 1-2 नवंबर, 1984 को पांच सिखों की हत्या और राज नगर पार्ट-खख में एक गुरुद्वारा जलाने के मामले में उच्च न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

दोषसिद्धि के खिलाफ उनकी अपील उच्चतम न्यायालय में लंबित है। दो अन्य मामलों में निचली अदालत द्वारा उन्हें बरी किए जाने के खिलाफ दायर दो अन्य अपीलें फिलहाल उच्च न्यायालय में लंबित हैं।

दिल्ली की निचली अदालतों में कुमार के खिलाफ दो मामले लंबित हैं, जिनमें से एक नवादा के गुलाब बाग स्थित एक गुरुद्वारे के पास हुई हिंसा से संबंधित है। इस मामले में एक न्यायाधीश ने अगस्त 2023 में उन पर मुकदमा चलाने को मंजूरी दी थी।

दिल्ली की एक अदालत 1984 में जनकपुरी और विकासपुरी इलाकों में हुए दंगों से संबंधित एक मामले की भी सुनवाई कर रही है। हिंसा और उसके बाद की घटनाओं की जांच के लिए गठित नानावटी आयोग की रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में दंगों के संबंध में 587 प्राथमिकी दर्ज की गईं।

भारत की मिसाइल प्रणाली दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र बनी : राजनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ आज हम ऐसे मोड़ पर खड़े हैं जहां लड़ाकू विमान, मिसाइल प्रणाली, नौसैन्य पोत या ऐसे अनेक उपकरण और प्लेटफॉर्म न सिर्फ हमारी सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं बल्कि पूरी दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र भी बन रहे हैं।

बेंगलूरु/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि भारत परिवर्तन के क्रांतिकारी दौर से गुजर रहा है और देश के लड़ाकू विमान, मिसाइल प्रणाली, नौसैनिक जहाज न केवल हमारी सीमाओं की रक्षा कर रहे हैं बल्कि पूरी दुनिया के लिए आकर्षण का केंद्र भी बन रहे हैं।

सिंह ने यहां ‘एयरो इंडिया 2025’ के स्वदेशीकरण कार्यक्रम और समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा, एयरो इंडिया ने जो ऊंचाइयां हासिल की हैं, वह न केवल अद्वितीय हैं बल्कि ऐतिहासिक भी हैं। उन्होंने कहा, मैं पिछले तीन दिन से इस कार्यक्रम में व्यक्तिगत रूप से मौजूद हूं और यदि मुझे अपने अनुभव को तीन शब्दों में व्यक्त करना हो तो वह है ऊर्जा, ऊर्जा और ऊर्जा। उन्होंने कहा, येलहंका में जो कुछ भी हमने देखा वह ऊर्जा का प्रकटीकरण है और यह ऊर्जा और उत्साह न केवल भारत के प्रतिभागियों में बल्कि दुनियाभर से देखा जा सकता है। हमारे उद्यमियों, हमारे ‘स्टार्टअप्स’ और नवप्रवर्तकों के बीच जो उत्साह देखा गया, वह सराहनीय है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि देश बदलाव के क्रांतिकारी दौर से गुजर रहा है। उन्होंने कहा, हम सभी जानते हैं कि भारत ऐतिहासिक रूप से अपनी रक्षा जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर रहा है। अगर मैं एक दशक पहले की बात करूं तो हमारे देश में 65 से 70 प्रतिशत रक्षा उपकरण आयात किए जाते थे। उन्होंने कहा, यदि हम आज की स्थिति को देखें तो आप इसे समाधान या चमत्कार कह सकते हैं, लेकिन आज देश में लगभग उतने ही प्रतिशत रक्षा उपकरणों का निर्माण हो रहा है।

स्टोना 2025 का शुभारंभ

बेंगलूरु के तुमकुर रोड स्थित बेंगलूरु इन्टरनेशनल एक्जिबिशन सेन्टर में बुधवार को फेडरेशन ऑफ इंडियन ग्रेनाइट एंड स्टोन इंडस्ट्री द्वारा आयोजित 16वें इन्टरनेशनल ग्रेनाइट व स्टोन फेयर ‘स्टोना 2025’ का उदघाटन करते हुए राजस्थान सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री कृष्णकुमार विश्नोई, फेडरेशन के अध्यक्ष एस कृष्णाप्रसाद, महामंत्री मनोजकुमार सिंह, स्टोना 2025 के चेयरमैन मदनलाल जांगिड़ सहित अनेक पदाधिकारी दर्शित है। चित्र में पत्थर से बनी एक बैल की विशालकाय व बेहद आकर्षक कलाकृति भी दिखाई दे रही है।

मिजोरम: भारत-म्यांमा सीमा पर 173.73 करोड़ रुपए मूल्य की ‘मेथामफेटामाइन’ गोलियां जब्त

आइजोल/भाषा। मिजोरम के चंफाई जिले में भारत-म्यांमा सीमा पर 173.73 करोड़ रुपए मूल्य की ‘मेथामफेटामाइन’ की गोलियां जब्त की गई हैं। असम राइफल्स ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी।

बयान में कहा गया है कि गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए असम राइफल्स और मिजोरम पुलिस ने संयुक्त रूप से नौ फरवरी को जोखावथर में एक सीमा चौकी पर 57.9 किलोग्राम ‘मेथामफेटामाइन’ जब्ती की।

गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर वाले

50 रुपए के बैंक नोट जारी करेगा आरबीआई

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) नवनियुक्त गवर्नर संजय मल्होत्रा के हस्ताक्षर वाले 50 रुपए के बैंक नोट जल्द ही जारी करेगा। मल्होत्रा ने दिसंबर 2024 में शक्तिकान्त दास का स्थान लिया था। केंद्रीय बैंक ने बुधवार को बयान में कहा, इन नोटों का डिजाइन महात्मा गांधी (नई) श्रृंखला के 50 रुपए के बैंक नोटों के समान होगा। भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पूर्व में जारी किए गए 50 रुपए मूल्य के सभी बैंक नोट वैध मुद्रा बने रहेंगे।

बंधकों को रिहा नहीं किए जाने पर

नेतन्याहू ने गाजा में फिर से युद्ध शुरू करने की धमकी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरूशलम/एपी। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने मंगलवार को गाजा में युद्ध विराम समझौते से पीछे हटने की धमकी दी और सैनिकों को निर्देश दिया कि अगर आतंकवादी समूह शनिवार को और अधिक बंधकों को रिहा नहीं करता है तो वे हमास के खिलाफ लड़ाई फिर से शुरू करने के लिए तैयार रहें। हमास ने सोमवार के अपने आरोपों को मंगलवार को दोहराते हुए कहा कि इजराइल युद्ध विराम की शर्तों को पूरा करने में विफल रहा है, तथा उसकी योजना तीन और बंधकों की रिहाई में देरी करने की है। इसने आरोप लगाया था कि इजराइल गाजा में स्वीकृत संख्या में टेंट लगाने एवं अन्य सहायता मुहैया कराने की अनुमति नहीं दे रहा है।

बढ़ते तनाव के बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को इजराइल से और अधिक बंधकों की रिहा करने की अपील की थी।

ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला द्वितीय से मुलाकात के बाद आशंका जतायी थी कि उनकी मांग के अनुसार हमास शेष सभी बंधकों को रिहा नहीं करेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमास के बारे में कहा, मुझे नहीं लगता कि वे समय-सीमा के भीतर कार्रवाई कर पायेंगे। वे सख्त रवैया अपनाना चाहते हैं।

13-02-2025 सूर्यास्त 6:14 बजे	14-02-2025 सूर्योदय 6:31 बजे
BSE 76,171.08 (-122.52)	NSE 23,045.25 (-26.55)
सोना 8,924 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 107,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

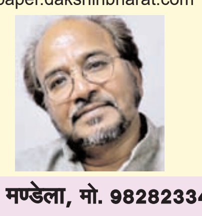

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

फूहड़ता की हद

फूहड़ता की हद तोड़ रहे,
कॉमेडी शो के सब चैनल।
अपमानित होता घर बैठे,
दर्शक श्रोता आंखें मल-मल।
निर्लज्ज हुए संबोधन अब,
दूषित भाषायी गंगा जल।
इसके विरुद्ध भी बिल लाओ,
जिससे निकले कोई तो हल।।

आयकर विधेयक आज लोकसभा में होगा पेश, सरकार ने सूचीबद्ध किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। सरकार बृहस्पतिवार को लोकसभा में आयकर विधेयक, 2025 पेश करेगी। आयकर कानून को समेकित एवं संशोधित करने मकसद से विधेयक को लोकसभा में पेश करने के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

बुधवार को लोकसभा सचिवालय द्वारा प्रसारित एजेंडा के अनुसार, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण आयकर विधेयक, 2025 पेश करेंगी।

बहुप्रतीक्षित विधेयक में ‘कर निर्धारण’ और ‘पिछले वर्ष’ जैसी शब्दावली के स्थान पर ‘कर वर्ष’ शब्द का प्रयोग किया जाएगा। यह बदलाव भाषा को सरल बनाने के प्रयास का हिस्सा होगा। इसके साथ ही, इसमें प्रावधान और स्पष्टीकरण भी हटा दिए जाएंगे।

नए विधेयक में 536 धाराएं, 23 अध्याय और 16 अनुसूचियां हैं। यह सिर्फ 622 पृष्ठों पर अंकित है। इसमें कोई नया कर लगाने की बात नहीं की गई है। यह विधेयक मौजूदा आयकर अधिनियम, 1961 की भाषा को सरल बनाता है।

छह दशक पुराने मौजूदा कानून में 298 धाराएं और 14 अनुसूचियां हैं। जब यह अधिनियम पेश किया गया था, तब इसमें 880 पृष्ठ थे।

नया विधेयक आयकर अधिनियम, 1961 की जगह लेने के इरादे से तैयार किया गया है। दरअसल पिछले 60 वर्षों में किए गए संशोधनों के कारण मौजूदा आयकर अधिनियम बहुत बड़ा हो गया है। नया आयकर कानून एक अप्रैल, 2026 से लागू होने की उम्मीद है।

नए विधेयक में अनुषंगी लाभ (फ्रिंज बेनेफिट) कर से संबंधित अनावश्यक धाराओं को हटा दिया गया है। विधेयक के ’स्पष्टीकरण या प्रावधानों’ से मुक्त होने की वजह से इसे पढ़ना और समझना आसान हो जाता है।

आयकर विधेयक से जुड़ी खास बातें

आयकर अधिनियम, 1961 का स्थान लेने वाला आयकर विधेयक, 2025 बृहस्पतिवार को संसद में पेश किया जाएगा।

नए विधेयक की मुख्य बातें निम्नलिखित हैं:

- – आयकर विधेयक, 2025 में सरल भाषा का उपयोग किया गया है, अनावश्यक प्रावधानों को हटाया गया है, छोटे वाक्यों का उपयोग किया गया है।
- – विधेयक में कोई नया कर नहीं है। इसमें सिर्फ आयकर अधिनियम, 1961 में प्रदत्त कर-देयता प्रावधानों को एक साथ रखा गया है।
- – इसमें मात्र 622 पृष्ठों में 536 धाराएं, 23 अध्याय और 16 अनुसूचियां हैं। जबकि 1961 के अधिनियम में 298 धाराएं, 23 अध्याय और 14 अनुसूचियां थीं।
- – नया कानून एक अप्रैल, 2026 से लागू होगा; अधिनियम अधिसूचित होने के बाद नियम लागू किए जाएंगे।
- – इसमें व्यक्तियों, हिन्दू अविभाजित परिवार (एचयूएफ) और अन्य के लिए पुरानी कर व्यवस्था और नई कर व्यवस्था दोनों शामिल हैं।
- – नए विधेयक में ‘कर वर्ष’ का उपयोग किया है। इसमें ‘पूर्व वर्ष’ और ‘आकलन वर्ष’ जैसे जटिल शब्दों को हटाया गया है।
- – ‘स्पष्टीकरण या शर्त’ का उल्लेख नहीं किया गया है, इसके बजाय तालिकाओं और सूत्रों का उपयोग किया गया है।
- – विधेयक में करदाता चार्टर शामिल किया गया है, जो करदाताओं के अधिकारों और दायित्वों को बताएगा।
- – विधेयक में बाजार से जुड़े डिबेंचर के मामले में पूंजीगत लाभ की गणना के लिए विशेष प्रावधान किया गया है।
- – नियमों को सरल बनाने के मकसद से कुल आय का हिस्सा न बनने वाली आय को अनुसूचियों में स्थानांतरित किया गया है।
- – वेतन से कटौतियां जैसे मानक कटौती, ग्रेच्युटी, अवकाश न लेने के बाद नकद भुगतान आदि को अलग-अलग अनुभागों/नियमों में रखे जाने के बजाय एक ही स्थान पर सारणीबद्ध किया गया है।

संत रविदास ने दिया कर्म को महत्व : योगी आदित्यनाथ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि संत गुरु रविदास जी महाराज ने कर्म की साधना से सिद्धि की पराकाष्ठा को छुआ था तथा उन्होंने कर्म को सर्वाधिक महत्व दिया। योगी ने कहा, कर्म की साधना के बारे में हमारे शास्त्र भी लगातार प्रेरणा देते हैं।

श्रीमद्भगवत गीता भी कहती है कि कर्मण्येवाधिकारस्ते मा फलेषु कदाचन, कर्म प्रधान विश्व करि राखा, जो जस करहि सो तस फल चाखा यानी जो जैसा करेगा, वैसे ही फल प्राप्त करेगा। इसलिए कर्म को महत्व दें। उन्होंने कहा, कर्म को महत्व देकर ही हम विकसित भारत की कल्पना को साकार कर सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पिछले 11 वर्ष से कर्म साधना को महत्व देकर भारत को दुनिया के अग्रणी देशों की पंक्ति में लाकर खड़ा कर दिया है।

एक आधिकारिक बयान के मुताबिक मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संत शिरोमणि संत गुरु रविदास जी महाराज की 648वीं जयंती पर रविदास मंदिर, जाफरखेड़ा, कानपुर रोड पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने यहां उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन भी किया।

योगी ने कहा, आज का दिन बहुत पवित्र है। प्रयागराज में महाकुंभ का स्नान हो रहा है। एक महीने (13 जनवरी से अब तक) 47 करोड़ से अधिक श्रद्धालु मां गंगा, यमुना व सरस्वती की त्रिवेणी में डुबकी लगा चुके हैं। यह क्रम 26 फरवरी तक चलेगा। अगले 14 दिन भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु आएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दृष्टिकोण के अनुरूप 'डबल इंजन' की भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने संत गुरु रविदास जी महाराज की जन्मभूमि काशी के सीर गोवर्धन को भव्य स्वरूप दे दिया है।

प्रधानमंत्री मोदी को ट्रंप से अमानवीय व्यवहार के बारे में पूछना चाहिए था : खरगे

कलबुर्गी। अमेरिका से निर्वासित भारतीय प्रवासियों के साथ हुए अमानवीय व्यवहार पर चिंता जताते हुए कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने ''पुराने मित्र'' अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को फोन करना चाहिए था और उनसे कहना चाहिए था कि वह प्रवासियों को इस तरह वापस न भेजें। मोदी बुधवार से अमेरिका की दो दिवसीय यात्रा करेंगे और राष्ट्रपति ट्रंप के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। कलबुर्गी में पत्रकारों से बात करते हुए खरगे ने दावा किया, मोदी को शुरू में निमंत्रण नहीं मिला था। हालांकि, विदेश मंत्री एस जयशंकर अमेरिका गए और व्यवस्था की, जिसके बाद मोदी को निमंत्रण मिला और अब वह (अमेरिका के) दौरे पर हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''मोदी ने खुद दावा किया है कि वह अपने 'पुराने दोस्त' (ट्रंप) से बात कर रहे हैं, जिससे देश को फायदा होगा। लेकिन अगर वे वाकई करीबी दोस्त हैं, तो मोदी को फोन पर ट्रंप से कहना चाहिए था कि वह भारतीय प्रवासियों को इस तरह से वापस न भेजें।'' राज्यसभा में विपक्ष के नेता ने आरोप लगाया कि भारतीय प्रवासियों को एक मालवाहक विमान में भारत वापस भेजा गया और उनके साथ बेहद खराब व्यवहार किया गया।'' कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, ''मोदी ने ट्रंप से इन प्रवासियों को यात्री विमान से भेजने के लिए नहीं कहा, न ही उन्होंने (मोदी) भारत से इसका प्रबंध किया, जिससे साबित होता है कि उनकी घनिष्ठ मित्रता का दावा झूठा था।'' उन्होंने कहा कि व्यक्तिगत मित्रता अच्छी बात है, लेकिन देशों के लिए मैत्रीपूर्ण संबंध बनाए रखना अधिक महत्वपूर्ण है।

खरगे ने दावा किया, ''मोदी आत्मविश्वास के साथ बोलते हैं, लेकिन उन्हें झूठ बोलने की भी आदत है। इसलिए, उन्हें अच्छे नतीजे नहीं मिलेंगे।'' भारत ने हथकड़ी लगाकर अवैध भारतीय प्रवासियों को वापस भेजे जाने पर सात फरवरी को अमेरिका के समक्ष चिंता व्यक्त की थी और कहा था कि इस तरह के व्यवहार से बचा जा सकता था। विदेश सचिव विक्रम मिसरी की यह टिप्पणी अमेरिका द्वारा सैन्य विमान में 40 घंटे की उड़ान के दौरान हथकड़ी लगाकर अवैध भारतीय प्रवासियों को वापस भेजे जाने पर मचे हंगामे के बीच आई थी।

सीजन के सबसे नए ट्रेंड लेकर आ रही हाई लाइफ प्रदर्शनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। फैशन, स्टाइल, डेकोर और लग्जरी के लिए मशहूर हाई लाइफ प्रदर्शनी सीज़न के सबसे नए ट्रेंड लेकर आ रही है। इसका आगाज 15 फ़रवरी को यहां 'द ललित अशोक' में होगा। यह प्रदर्शनी 17 फ़रवरी तक जारी रहेगी। इसका समय सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक रहेगा। आयोजकों ने बताया कि चाहे आप शादी की तैयारी कर रहे हों या अपने वार्डरोब और घर को नया रूप देना चाहते हों, हाई लाइफ प्रदर्शनी में आपके लिए सभी तरह की शानदार चीजें एक ही जगह पर उपलब्ध होंगी।

यहां ब्राइडल, गोल्ड, फुट वियर, बेड लिनन, नेल आर्ट, लहंगा, डायमंड, बैग और क्लच, फर्निशिंग, स्किन केयर, कस्टम मेड, सिल्वर, कमर बेल्ट, रग्स एंड कार्पेट, फेस केयर, कीमती स्टोन्स, हेयर एक्सेसरीज, फर्नीचर, बालों की देखभाल, डिजाइनर सूट, मिट्टी के बर्तन, हाथ से बने साबुन, पोशाक, पेंटिंग, सुगंध संग्रह, भित्ति चित्र, डिजाइनर साड़ी, मास्क, ब्लाउज, फॉर्मल वियर, ऑफिस वियर, दीया, कैजुअल, कैंडल्स, सेमी कैजुअल, स्टेशनरी, लाउंज, ट्राउसेउ पैकिंग, पार्टी वियर, गिफ्टिंग, मेन्स एथनिक वियर, किड्स वियर, शॉल और स्टोल आदि चीजें उपलब्ध होंगी।

शीर्ष सैन्य अधिकारी ने जम्मू आईईडी विस्फोट में शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू स्थित 'व्हाइट नाइट कोर' के 'जनरल ऑफिसर कमांडिंग' लेफ्टिनेंट जनरल नवीन सचदेवा ने बुधवार को एक कैप्टन समेत उन दो सैन्य कर्मियों को श्रद्धांजलि दी जो पिछले दिन यहां अखनूर सेक्टर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) के पास एक आईईडी विस्फोट में शहीद हो गए थे।

झारखंड के कैप्टन करमजीत सिंह बख्शी और जम्मू-कश्मीर के सांबा के नायक मुकेश सिंह मन्हास को श्रद्धांजलि देने के लिए यहां भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के स्टेशन पर दोपहर दो बजे पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। उसके बाद उनके

पार्थिव शरीर अंतिम संस्कार के लिए उनके गृहनगर भेजे गए।

अधिकारियों ने बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल सचदेवा और अन्य सैन्य अधिकारियों ने तिरंगे में लिपटे शहीदों के ताबूतों पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने बताया कि जम्मू के संभागीय आयुक्त रमेश कुमार, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी) आनंद जैन और जम्मू क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक भीम सेन टूटी समेत भारतीय वायुसेना, पुलिस और नागरिक प्रशासन के अधिकारियों ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया।

जम्मू-कश्मीर में अखनूर सेक्टर के भट्टल क्षेत्र में अग्रिम चौकी के पास मंगलवार को एक आईईडी विस्फोट में सेना के कैप्टन समेत दो जवान शहीद हो गए, जबकि एक अन्य घायल हो गया। संदेह है कि आतंकवादियों ने यह आईईडी बम लगाया था।

विस्फोट के बाद सेना के जवानों ने व्यापक तलाशी अभियान चलाया, लेकिन कोई आतंकवादी नहीं मिला। समझा जाता है कि आईईडी विस्फोट करने के बाद आतंकवादी सीमा पार भाग गए।

अधिकारियों ने बताया कि इन बहादुर सैनिकों के पार्थिव शरीर उनके गृहनगर भेजे जा रहे हैं जहां सैन्य सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

कर्नाटक में प्रदेश अध्यक्ष बदले जाने के संबंध में खरगे ने साधी चुप्पी

कलबुर्गी/दक्षिण भारत। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने बुधवार को कर्नाटक में पार्टी के नेतृत्व में बदलाव के बारे में कोई टिप्पणी नहीं की। वर्तमान में, उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार 2020 से कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस समिति (केपीसीसी) के अध्यक्ष का पद संभाल रहे हैं। खरगे ने कहा कि अगले कुछ दिनों में दो से तीन राज्यों में प्रदेश अध्यक्षों की नियुक्ति होगी। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, मैंने ओडिशा में पार्टी अध्यक्ष को बदल दिया है। नये प्रदेश अध्यक्ष पिछड़े वर्ग से हैं। हमने तीन से चार जगहों पर ऐसा किया है। धीरे-धीरे अन्य जगहों पर भी ऐसा किया जाएगा।

कर्नाटक में नए पार्टी अध्यक्ष के बारे में पूछे जाने पर खरगे ने संवाददाताओं से कहा, मैं खासतौर पर कुछ नहीं कह सकता। अगर मैं कुछ कहता हूं, तो आप उसे तोड़-मरोड़ कर पेश करेंगे। यही कारण है कि लोग आपको सच नहीं बताते हैं। यहां से बात आगे बढ़ने के बाद जल्दी ही अलग-अलग कहानियां सामने आने लगेंगी। उन्होंने कहा कि पार्टी एक के बाद एक राज्यों में संगठन में नियुक्त कर रही है। खरगे ने बताया, अगले कुछ दिनों में हम दो से तीन राज्यों में ऐसा करेंगे। हम उन राज्यों में पदाधिकारियों की नियुक्ति करेंगे, जहां हमने अभी तक ऐसा नहीं किया है। हम कांग्रेस के अन्य प्रकोष्ठों और विभागों में भी ऐसा करेंगे।

हाल ही में राज्य के लोक निर्माण मंत्री सतीश जारकीहोली के उनसे मुलाकात करने के बारे में खरगे ने कहा, मैं एआईसीसी अध्यक्ष हूं।

स्वागत

फ्रांस में बुधवार को फ्रांस के मार्सिले में भारतीय समुदाय द्वारा पीएम मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

समुद्री हवाई क्षेत्र में स्वदेशी समाधान के लिए घरेलू उद्योग के काम करने की दरकार : नौसेना प्रमुख

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने बुधवार को कहा कि समुद्री हवाई क्षेत्र में क्षमताओं के पैमाने, संश्लेषण और दायरे में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है। उन्होंने घरेलू उद्योग जगत से स्वदेशी समाधानों के विकास के लिए नौसेना के साथ काम करने का आह्वान किया। नौसेना प्रमुख ने कहा कि भारतीय नौसेना घरेलू उद्योग का समर्थन करने और क्षमता विकास के लिहाज से एक अनुकूल तंत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, समुद्री हवाई क्षेत्र में क्षमताओं के पैमाने, संश्लेषण और दायरे में महत्वपूर्ण वृद्धि हुई है, इसी कारण से मैं कहता हूं कि उद्योग करोड़ों अवसरों की ओर बढ़ रहा है। यहां एयरो इंडिया में आयोजित ''आत्मनिर्भर भारतीय नौसेना विमानन 2047 और इससे संबंधित पारिस्थितिकी तंत्र में परिवर्तन'' विषय पर संगोष्ठी में उन्होंने कहा, व्यापक अवसरों को पूरी तरह से भुनाने के लिए मैं घरेलू उद्योग को हमारे साथ मिलकर आविष्कार, नवाचार, स्वदेशीकरण तथा समाधानों को एकीकृत करने के लिए आमंत्रित करता हूं। उन्होंने कहा कि ''नौसेना के लिए उद्योग केवल उत्पादों से संबंधित नहीं है, बल्कि साझेदारी की बात है, केवल कंपनियों की बात नहीं है, बल्कि सहयोग की बात है।

एडमिरल त्रिपाठी ने कहा, उद्योग के साथ हमारा जुड़ाव केवल क्षमता अधिग्रहण तक ही सीमित नहीं है। यह निर्णायक युद्ध लड़ने के लाभ को सुरक्षित करने के लिए काम करने के बारे में है और हमारा लक्ष्य इसे स्वदेशी रूप से पूरा करना है, क्योंकि आज रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हमारे लिए एक रणनीतिक आवश्यकता है।

नौसेना प्रमुख ने कहा कि हाल के संघर्ष एक मजबूत घरेलू रक्षा उद्योग की आवश्यकता के प्रमाण हैं, आज घरेलू क्षेत्र अवसर के एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर खड़ा है, जो सरकार की स्पष्ट दृष्टि, रक्षा मंत्रालय के सक्षम नीतिगत ढांचे और नौसेना की स्पष्ट रूपरेखा से प्रेरित है। उन्होंने कहा, हमारा स्वदेशी रक्षा उत्पादन 1.25 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है, जिसमें 20 प्रतिशत निजी क्षेत्र से आता है। रक्षा निर्यात 21,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिसमें 60 प्रतिशत योगदान निजी क्षेत्र का है। 2029 तक सरकार का लक्ष्य 3 लाख करोड़ रुपये का स्वदेशी उत्पादन और 50,000 करोड़ रुपये का निर्यात करना है।'

एयरो इंडिया 2025 में आम लोगों के इस्तेमाल योग्य सैन्य उपकरणों ने मचाई धूम

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। पवन ऊर्जा उत्पादन के लिए आमतौर पर लंबे चौड़े पवन टर्बाइन लगाने की व्यवस्था करनी पड़ती है, लेकिन एक अधिकारी ने कहा कि भारतीय वायु सेना द्वारा स्वदेशी रूप से विकसित एक असाधारण उपकरण उषा-ऊर्जा' में बहुत कम जगह पर भी पवन ऊर्जा का उत्पादन किया जा सकता है।

'एयरो इंडिया 2025' में आकर्षक नवाचारों के बीच हो सकता है कि कई लोगों की नजर इस असाधारण यंत्र पर न पड़े, लेकिन यह उपकरण अत्यधिक ऊंचाई और भीषण ठंडे मौसम में बिजली पैदा करता है, जिसे एक सूटकेस जैसी चीज में रखा जा सकता है। उषा-ऊर्जा के 'पवन टर्बाइन' में दो खुले पीवीसी पाइप का उपयोग किया गया है। इन्हें एक आधार पर अजीब आकार में मोड़ दिया गया है, जिसे बढ़ाया जा सकता है। यह भारतीय वायुसेना के स्वदेशी नवाचारों का हिस्सा है, जिसे 14 फरवरी तक बेंगलूरु के येलहांका एयरफोर्स बेस में आयोजित एयरो इंडिया 2025 शो में प्रदर्शित किया गया है। उषा-ऊर्जा उन क्षेत्रों में सेना के लिए महत्वपूर्ण उपकरण है जहां पर्यावरणीय परिस्थितियां बैटरी चालित जनरेटर या पारंपरिक डीजल जनरेटर के प्रदर्शन को खराब करती हैं।

भारतीय वायुसेना की 'मेंटेनेंस कमांड' के ग्रुप कैप्टन केडीए राजेश ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, लोगों को उषा-ऊर्जा पर ध्यान देना चाहिए, क्योंकि यह हमारे कुछ आविष्कारों में से एक है। इसे आम लोग और सेना दोनों इस्तेमाल कर सकते हैं। उपकरण बनाने पर भारतीय वायुसेना ने 5.67 लाख रुपये खर्च किए हैं, लेकिन यह 4.14 लाख रुपये में उपलब्ध होगा। राजेश ने कहा कि जब इसे आम लोगों के उपयोग के लिए अपनाया जाएगा, तो मांग के आधार पर यह लागत और भी कम हो सकती है। राजेश एक अन्य स्वदेशी रूप से विकसित उपकरण की ओर इशारा करते हैं, जिसे आम लोग और सेना दोनों इस्तेमाल कर सकते हैं। यह ड्रोन को रोकने वाली एक प्रणाली है।

राजेश ने कहा, यह एक कम लागत वाली ड्रोन रोधी प्रणाली है जो आरएफ सिग्नल जैमिंग की अवधारणा पर आधारित है और ड्रोन के खिलाफ 500 मीटर की आभासी दीवार के रूप में कार्य करती है। राजेश ने बताया कि यह प्रणाली किसी भी सुरक्षा या निगरानी प्रणाली में अत्यंत उपयोगी हो सकती है और इसकी अनुमानित लागत मात्र 65,000 रुपये है। हॉल के दूसरे छोर पर एक और छोटा सा विमान ट्रैकिंग प्रणाली (आरटीएटी) बॉक्स रखा है, जो भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा विकसित उपग्रह-आधारित नेविगेशन, नेवीसी और सैटकॉम या सैटेलाइट कम्युनिकेशन से जुड़कर किसी स्थान का सटीकता से पता लगाता है। इसे भी आम लोग इस्तेमाल कर सकते हैं।

एयरो शो में आरटीएटी प्रदर्शनी के प्रभारी ग्रुप कैप्टन ने नाम न बताने की शर्त पर कहा, मलेशियाई एयरलाइंस का वह लापता हुआ विमान याद कीजिए, जिसके बारे में कोई सुराग नहीं मिल पाया? अगर विमान के अंदर आरटीएटी बॉक्स होता तो ऐसा नहीं होता। ग्रुप कैप्टन के अनुसार, यह बॉक्स हर चार सेकंड में ग्राउंड स्टेशन को अपनी स्थिति के बारे में सतत और स्वचालित जानकारी देता है।

अन्नाद्रमुक के नेतृत्व विवाद मामले में

अदालत ने निर्वाचन आयोग की जांच पर लगी रोक हटाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने निर्वाचन आयोग द्वारा अन्नाद्रमुक के आंतरिक विवादों की जांच करने का रास्ता साफ करते हुए उस पर लगी रोक हटा ली। इन विवादों में नेतृत्व और पार्टी के चुनाव चिह्न के मुद्दे भी शामिल हैं। इस फैसले को पार्टी के मौजूदा प्रमुख एडप्पादी के. पलानीस्वामी के लिए झटका माना जा रहा है।

न्यायमूर्ति आर सुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति जी अरुल मुरुगन की खंडपीठ ने अन्नाद्रमुक से निष्कासित सदस्यों पी रविन्द्रनाथ (पूर्व मुख्यमंत्री ओ पन्नीरसेल्वम के पुत्र), के सी पलानीसामी और वीए पुगाजेंथी द्वारा दायर याचिकाओं पर यह आदेश पारित किया। न्यायाधीशों ने नेतृत्व विवाद (पलानीस्वामी और पन्नीरसेल्वम से संबंधित), दो पत्तियों वाले चुनाव चिह्न के आवंटन पर याचिकाओं और जुलाई 2022 में अन्नाद्रमुक आम परिषद के प्रस्तावों को लेकर भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) की जांच के खिलाफ रोक हटा दी।

अदालत ने पलानीस्वामी की उस याचिका को खारिज कर दिया जिसमें उन्होंने नेतृत्व विवाद और अन्नाद्रमुक को दो पत्ती' वाला चुनाव चिह्न आवंटित करने जैसे मुद्दों की जांच को लेकर निर्वाचन आयोग के खिलाफ रोक लगाने का अनुरोध किया था।

पीठ ने कहा कि निर्वाचन आयोग को संबंधित याचिकाओं को तभी स्वीकार करना चाहिए जब वह संतुष्ट हो कि वह जांच के लिए उपयुक्त हैं और चुनाव निकाय को चुनाव चिह्न नियमों के तहत जांच करने का निर्देश दिया। फैसले पर प्रतिक्रिया देते हुए पुगाजेंथी ने कहा कि अदालत ने मामले में पहले के ''आदेश के खिलाफ स्थगन हटा दिया है'' और अब इस मामले में निर्वाचन आयोग द्वारा जांच करने पर कोई रोक नहीं है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि नेतृत्व और चुनाव चिह्न आवंटन पर दीवानी मुकदमे अदालतों में लंबित होने के कारण पलानीस्वामी महासचिव पद या पार्टी के नाम का इस्तेमाल नहीं कर सकते हैं।

सिंगापुर में 16 हजार तमिल हिंदुओं ने 'थाईपुसम' उत्सव मनाया

चेन्नई/सिंगापुर। सिंगापुर में मनाए गए 'थाईपुसम' महोत्सव के दौरान मंगलवार को लगभग 16 हजार श्रद्धालुओं ने भगवान मुरुगन की पूजा की। श्रद्धालुओं ने 10 फरवरी की रात 'लिटिल इंडिया' परिसर में श्रीनिवास पेरुमल मंदिर से लेकर केंद्रीय व्यापारिक जिले में टैंक रोड स्थित श्री तेंडायुथपानी मंदिर तक 3.2 किलोमीटर पैदल यात्रा की। थाईपुसम तमिल हिंदुओं का एक प्रमुख धार्मिक त्योहार है और इसे सिंगापुर तथा मलेशिया में भी उसी तरह मनाया जाता है, जैसे यह भारत के दक्षिणी भाग में मनाया जाता है। स्ट्रेट्स टाइम्स समाचार पत्र ने महोत्सव में आए सरवणन राजासुरन (30) के हवाले से कहा, मैं 21 दिनों की तैयारी के बाद यहां हूं। नुशा दक्षिणि (25) ने 'पाल कावड़ी' (लकड़ी का फ्रेम जिसके दोनों ओर दूध के बर्तन रखे होते हैं) का अभ्यास किया। नुशा ने कहा, इस कावड़ी को ले जाने से पहले मैंने 30 दिनों तक उपवास रखा था....। गृह एवं विधि मंत्री के. षणमुगम महोत्सव के मुख्य अतिथि थे और उन्होंने उत्सव के दौरान व्यवस्था की सराहना की। हालांकि उन्होंने कहा कि टैंक रोड स्थित मंदिर में प्रवेश के लिए श्रद्धालुओं को लंबा इंतजार करना पड़ा और इस स्थिति में सुधार के लिए कुछ कदम उठाया जा सकता है।

तमिलनाडु सरकार लड्डू विवाद के बाद हमारे पदाधिकारी के खिलाफ दर्ज मामला वापस ले : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई ने बुधवार को राज्य की द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार से मांग की कि वह उसके उस वरिष्ठ पदाधिकारी के खिलाफ दर्ज मामले को वापस ले जिसने तिरुपति लड्डु विवाद के बाद पलानी धनदायुथपानी स्वामी मंदिर को उपलब्ध कराए जा रहे घी की गुणवत्ता की जांच कराने की मांग की थी। विशेष जांच दल की ओर से दर्ज तिरुपति लड्डु मिलावट मामले में डिंडीगुल स्थित एआर डेयरी के राजशेखरन की गिरफ्तारी का हवाला देते हुए भाजपा नेता नारायणन तिरुपति ने कहा कि जब पिछले साल विवाद सामने आया था, तो पार्टी की उद्योग शाखा के उपाध्यक्ष सेल्वाकुमार ने बताया था कि राजशेखरन पलानी मंदिर के न्यासी थे।

सेल्वाकुमार ने आरोप लगाया था कि लड्डु मामले में आरोपों का सामना करने वाली वही फर्म पलानी मंदिर को भी घी की आपूर्ति कर सकती थी इसलिए उन्होंने वहां गुणवत्ता जांच की मांग की थी। नारायणन ने कहा कि सच्चाई का पता लगाने के बजाय, पुलिस ने इस मुद्दे पर सेल्वाकुमार के खिलाफ मामला दर्ज किया और पार्टी पदाधिकारी और उनके परिवार के सदस्यों को 'परेशान' किया गया।

इसके अलावा नारायणन ने दावा किया कि कुछ हफ्ते पहले राजशेखरन को द्रमुक सरकार ने पलानी मंदिर के न्यासी बोर्ड से बर्खास्त कर दिया था। अब जबकि राजशेखरन को भी तिरुपति लड्डु मामले में गिरफ्तार किया गया है, तमिलनाडु सरकार को सेल्वाकुमार के खिलाफ दर्ज मामला वापस लेना चाहिए और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के 'खिलाफ' रहने वाली 'गतिविधियों' से बाज आना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''सेल्वाकुमार के खिलाफ कार्रवाई से यह पुष्टि होती है कि द्रविड़ मॉडल पर आधारित द्रमुक सरकार फासीवादी सरकार है। उनके खिलाफ मामला तुरंत वापस लिया जाना चाहिए। अन्यथा अदालत तमिलनाडु सरकार को सच्चाई और न्याय का एहसास कराएगी।''

आईआईटी मद्रास ने स्तन कैंसर के अपेक्षाकृत सुरक्षित उपचार के लिए दवा देने की प्रणाली का पेटेंट कराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नई दिल्ली। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), मद्रास के शोधकर्ताओं ने स्तन कैंसर के इलाज के लिए दवा देने की नयी प्रणाली विकसित की है और उसका पेटेंट कराया है। स्तन कैंसर वैश्विक स्तर पर महिलाओं की मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक है। अधिकारियों के अनुसार, शोधकर्ताओं ने दवा वितरण प्रणाली को डिजाइन करने के लिए नैनोमटेरियल' के अनूठे गुणों का लाभ उठाया है जो कैंसरग्रस्त कोशिकाओं तक कैंसर-रोधी दवाओं को पहुंचा सकते हैं। यह नवाचार पारंपरिक उपचार विकल्पों के लिए एक सुरक्षित और अत्यधिक प्रभावी विकल्प प्रदान करता है।

संस्थान के एप्लाइड मैकेनिक्स और बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग की सहायक प्रोफेसर स्वाति सुधाकर ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, नैनोकैरियर बायोकम्पैटिबल हैं और गैर-कैंसरग्रस्त या स्वस्थ कोशिकाओं के लिए विषाक्त नहीं हैं। इसलिए, वे कीमोथेरेपी या विकिरण चिकित्सा या कीमोथेरेपेटिक दवाओं जैसे उपचारों के लिए एकदम सही विकल्प हैं, जो न केवल कैंसर कोशिकाओं पर हमला करते हैं बल्कि स्वस्थ कोशिकाओं को भी प्रभावित करते हैं जिससे बालों का झड़ना, मतली, थकान जैसे गंभीर दुष्प्रभाव होते हैं' सुधाकर ने बताया कि बार-बार दवा की खुराक लेने से कैंसर कोशिकाएं कीमोथैरेपेटिक दवाओं के प्रति प्रतिरोध भी विकसित कर सकती हैं, जो अंततः उपचार के प्रभाव को कम कर देती हैं। उन्होंने कहा, प्रयोगशाला में स्तन कैंसर कोशिकाओं पर कई परीक्षण किए गए, जिससे पता चला कि दवाओं से भरे नैनोआर्कियोसोम ने कैंसर कोशिकाओं में कोशिकाओं को समाप्त करना शुरू किया और कीमोथेरेपेटिक दवा की बहुत कम खुराक पर भी ट्यूमर के पनपने को प्रभावी ढंग से रोक दिया।

आईआईटी मद्रास और शिक्षा मंत्रालय द्वारा वित्त पोषित अनुसंधान के निष्कर्षों को रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री द्वारा प्रकाशित मैटेरियल्स एडवांस और नैनोस्केल एडवांस सहित प्रतिष्ठित पत्रिकाओं में प्रकाशित किया गया है। इस शोध के लिए पिछले महीने एक भारतीय पेटेंट प्रदान किया गया था। सुधाकर ने कहा, यह शोध कैंसर उपचार थैरेपी को बदलने, जीवित रहने की दर में सुधार करने और दुनिया भर में लाखों रोगियों के लिए जीवन की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए बहुत बड़ा वादा करता है। हमारा अगला कदम पशु मॉडल में इस दवा के प्रभाव का परीक्षण करना है।

प्रोफेसर ने बताया कि नियंत्रित तरीके से दवा की मात्रा देने से ट्यूमर बनने की जगह पर लंबे समय तक दवा की उपलब्धता सुनिश्चित होती है, जिससे बार-बार खुराक की आवश्यकता कम हो जाती है।

पुदुचेरी विधानसभा में द्रमुक और कांग्रेस विधायकों ने किया बर्हिगमन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पुदुचेरी। पुडुचेरी विधानसभा में बुधवार को विपक्षी द्रमुक और कांग्रेस के विधायकों ने केंद्र शासित प्रदेश के लिए धन स्वीकृत करने को लेकर केंद्र सरकार की 'लगातार अनदेखी' के विरोध में बहिर्गमन किया।

नेता प्रतिपक्ष एवं द्रमुक के नेता आर. शिवा ने सदन में कहा कि केंद्र सरकार पुदुचेरी के बजट खर्च पूरे करने के लिए पर्याप्त धनराशि आवंटित करने में विफल रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि बुनियादी ढांचा विकास और बंदरगाह विस्तार के लिए आवश्यक धन नहीं दिया गया।

शिवा ने आरोप लगाया कि पुडुचेरी सरकार द्वारा केंद्र से बकाया ऋण माफ करने के बार-बार अनुरोध के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं की गई। वित्तीय संकट के कारण केंद्रशासित प्रदेश की प्रगति बाधित हो रही है। इन आरोपों को नकारते हुए विधानसभा अध्यक्ष आर. सेल्वम, मुख्यमंत्री एन. रंगासामी, गृह मंत्री ए. नामासिवायम और सत्तापक्ष के सदस्यों ने कहा कि केंद्र सरकार पुदुचेरी को पूरा सहयोग दे रही है। मुख्यमंत्री रंगासामी ने कहा कि हाल ही में आए चक्रवात और बाढ़ से हुए नुकसान की भरपाई के लिए केंद्र सरकार ने 62 करोड़ रुपये मंजूर किए थे।

उन्होंने बताया कि प्राकृतिक आपदा से प्रभावित किसानों के कर्ज माफ किए गए हैं और बाढ़ से हुए नुकसान के लिए प्रति हेक्टेयर 30,000 रुपये की सहायता राशि दी गई है। उन्होंने कहा कि केंद्र शासित प्रदेश की सरकार ने बाढ़ के दौरान सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत आने वाले प्रत्येक परिवार को 5,000 रुपये की राहत राशि भी वितरित की थी। रंगासामी ने विपक्ष के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि पुदुचेरी को केंद्र से पर्याप्त सहायता मिल रही है। उनके जवाब से असंतोष जताते हुए विपक्षी विधायकों ने सदन से बहिर्गमन किया।

पुडुचेरी विधानसभा अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

पुडुचेरी। पुडुचेरी विधानसभा की बैठक बुधवार को कुछ समय के लिए बुलाई गई और निर्धारित कामकाज पूरा करने के बाद इसे अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया। बैठक की शुरुआत में निर्दलीय विधायक नेहरू उर्फ कुप्पुसामी ने आसन के पास धरना दिया और आरोप लगाया कि विधानसभाध्यक्ष आर. सेल्वम पक्षपातपूर्ण तरीके से काम कर रहे हैं। कुप्पुसामी ने मांग की कि विधानसभा की कार्यवाही उपाध्यक्ष द्वारा संचालित की जाए। कुप्पुसामी ने पिछले महीने विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दिया था और उन्होंने सदन में उनके खिलाफ नारेबाजी की। विरोध के बीच, सदन की कार्यवाही पुडुचेरी के पूर्व मुख्यमंत्री एमडीआर रामचंद्रन और पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के निधन पर मुख्यमंत्री एन रंगासामी द्वारा शोक प्रस्ताव पेश करने के साथ शुरू हुई। कुप्पुसामी द्वारा लगातार व्यवधान उत्पन्न करने के कारण अध्यक्ष ने उन्हें सदन से बाहर निकालने का आदेश दिया तथा उन्हें शेष सत्र के लिए निलंबित कर दिया।

कनिष्ठ छात्रों की 'रैगिंग' करने के आरोप में पांच वरिष्ठ छात्र गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोट्टायम/भाषा। केरल के कोट्टायम स्थित सरकारी नर्सिंग कॉलेज में प्रथम वर्ष के छात्रों की रैगिंग करने के आरोप में तृतीय वर्ष के पांच छात्रों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि संस्थान में करीब तीन महीने से जारी रैगिंग से तंग आकर प्रथम वर्ष के तीन छात्रों ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया। शिकायत के अनुसार, रैगिंग पिछले साल नवंबर में शुरू हुई थी।

कॉलेज प्रशासन ने बताया कि आरोपी छात्रों को निलंबित कर दिया गया है। उसने बताया कि रैगिंग-रोधी कानून के तहत की गई जांच के बाद यह कार्रवाई की गई। गिरफ्तार छात्रों की पहचान सैमुअल जॉनसन (20), राहुल राज (22), जीव (18), रिजिल जीत (20) और विवेक (21) के रूप में हुई है। शिकायत में छात्रों ने आरोप लगाया कि उन्हें नग्न अवस्था में खड़े रहने के लिए मजबूर किया गया और भारोत्तोलन के लिए बने डंबल का इस्तेमाल कर उनके साथ क्रूर व्यवहार किया गया। अन्य आरोपों में नुकीली वस्तुओं का इस्तेमाल कर उन्हें घायल करना और घावों पर लोशन लगाना शामिल है।

शिकायत में यह भी कहा गया है कि वरिष्ठ छात्र शराब खरीदने के लिए नियमित रूप से कनिष्ठ छात्रों से पैसे ऐंठते थे और अक्सर उनके साथ मारपीट करते थे। शिकायत के अनुसार आरोपियों ने 16 नवंबर को प्रथम वर्ष के एक छात्र को यूपीआई के माध्यम से 300 रुपये ट्रांसफर करने और धमकी देकर 500 रुपये नकद देने के लिए मजबूर किया। पुलिस ने खुलासा किया कि पैसे का इस्तेमाल शराब खरीदने के लिए किया गया था।

तेरह दिसंबर को, प्रथम वर्ष के एक छात्र को अत्यधिक शारीरिक यातना सहनी पड़ी। उस रात, आरोपी उसके कमरे में घुस गए, कथित तौर पर उसके हाथ-पैर बांध दिए और यातनाएं दीं। उन्होंने कमरे में मौजूद प्रथम वर्ष के एक अन्य छात्र को मोबाइल फोन पर घटना को रिकॉर्ड करने के लिए भी मजबूर किया। शिकायत के अनुसार, प्रताड़ना को और अधिक सहन न कर पाने के कारण तीन छात्रों ने आखिरकार कोट्टायम गांधीनगर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। कॉलेज प्रशासन ने बताया कि पीड़ित छात्रों ने छात्रावास अधिकारियों, शिक्षकों या अभिभावकों को दुर्व्यवहार के बारे में सूचित नहीं किया था। इसने कहा कि शिकायत मिलने पर कॉलेज ने तुरंत कार्रवाई की।

अगवा किए गए स्कूली छात्र को अपहर्ताओं के चंगुल से मुक्त कराया गया

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में 10वीं कक्षा के एक छात्र को उसके घर से कार सवार युवकों के एक गिरोह द्वारा कथित तौर पर अगवा किए जाने के कुछ ही घंटों बाद मुक्त करा लिया गया। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 30 वर्ष से कम उम्र के चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया और छात्र के अपहरण के लिए उनके द्वारा किराए पर ली गई कार भी जब्त कर ली गई है। छात्र को एक रबर बागान से अपहर्ताओं के चंगुल से मुक्त कराया गया। पुलिस ने कहा कि मंगलवार रात को 15 वर्षीय छात्र के अपहरण ने पुलिस कर्मियों को सकते में डाल दिया था। परिवार के सदस्यों के हवाले से पुलिस ने बताया कि चार सदस्यीय गिरोह मंगलापुरम स्थित उनके आवास पर पहुंचा था, जहां से शाम 7.45 बजे छात्र का अपहरण कर लिया गया।

केरल में जूनियर छात्रों की रैगिंग' करने के आरोप में पांच वरिष्ठ छात्र गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोट्टायम/भाषा। केरल के कोट्टायम में स्थित सरकारी नर्सिंग कॉलेज में प्रथम वर्ष के छात्रों की रैगिंग करने के आरोप में तृतीय वर्ष के पांच छात्रों को गिरफ्तार किया गया है। ☐

पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि संस्थान में करीब तीन महीने से जारी रैगिंग से तंग आकर प्रथम वर्ष के तीन छात्रों ने शिकायत दर्ज कराई थी, जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज किया। शिकायत के अनुसार, रैगिंग पिछले साल नवंबर में शुरू हुई थी।

शिकायत में छात्रों ने आरोप लगाया कि उन्हें नग्न अवस्था में खड़े रहने के लिए मजबूर किया गया और भारोत्तोलन के लिए बने डंबल का इस्तेमाल कर उनके साथ क्रूर व्यवहार किया गया। अन्य आरोपों में दिशा सूचक यंत्र (कंपास) और इसी तरह की वस्तुओं का इस्तेमाल कर उन्हें घायल करना और घावों पर लोशन लगाना शामिल है। शिकायत में यह भी कहा गया है कि वरिष्ठ छात्र नियमित रूप से रविवार को जूनियर छात्रों से शराब खरीदने के लिए पैसे ऐंठते थे और अक्सर उनके साथ मारपीट करते थे। शिकायत के अनुसार, उत्पीड़न को और अधिक सहन न कर पाने के कारण, तीन छात्रों ने आखिरकार कोट्टायम गांधीनगर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई।

केरल में जंगली हाथी के हमले से एक युवक की मौत, विपक्ष ने सरकार को घेरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड/भाषा। केरल के पहाड़ी जिले वायनाड में बुधवार तड़के एक जंगली हाथी के हमले में 27 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि चूरामाला के समीप अट्टामाला की एक आदिवासी बस्ती में यह घटना हुई। इसी क्षेत्र में पिछले साल जुलाई में भूस्खलन में कई लोगों की जान चली गयी थी। पुलिस ने बताया कि पीड़ित की पहचान आदिवासी समुदाय के सदस्य बालकृष्णन के रूप में हुई है। उसने बताया कि समझा जाता है कि यह घटना बुधवार तड़के करीब तीन बजे हुई ।

इस बीच स्थानीय लोगों ने जंगली जानवरों के हमलों से उनकी रक्षा करने के लिए प्रशासन द्वारा कथित रूप से कदम नहीं उठाये जाने को लेकर विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने तब तक शव को अस्पताल नहीं ले जाने दिया जब तक प्रशासन ने उन्हें यह आश्वासन नहीं दे दिया कि ऐसे हमलों को रोकने के लिए पर्याप्त कदम उठाये जायेंगे तथा जिस व्यक्ति की मौत हुई है, उसके परिवार को सहायता प्रदान की जाएगी।

लोगों ने बालकृष्णन के परिवार के लिए 10 लाख रुपये की अनुग्रह राशि, एक आश्रित को सरकारी नौकरी तथा अंतिम संस्कार में वित्तीय सहयोग की मांग की। व्याथिरी तालुक के तहसीलदार ने बताया कि पहले कदम के तौर पर वन विभाग बुधवार को ही पीड़ित के परिजनों को पांच लाख रुपये सौंप देगा और जनजातीय विभाग अंतिम संस्कार के लिए सभी आवश्यक सहायता प्रदान करेगा।

उन्होंने संवाददाताओं को बताया कि शेष पांच लाख रुपये जल्द ही परिजनों को सौंप दिए जाएंगे। इस आश्वासन के बाद प्रदर्शनकारियों ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सुल्तान बाथरी के सरकारी अस्पताल ले जाने की अनुमति दे दी।

एक वन अधिकारी ने कहा कि वन क्षेत्र से सटे इलाकों में रहने वाले लोगों को प्रतिकूल स्थितियों में अपने घरों से बाहर नहीं निकलना चाहिए। स्थानीय लोगों ने शिकायत की है कि जंगली हाथी अक्सर मुंदक्कई के रिहायशी इलाकों में घुस आते हैं और फसलों को नष्ट कर देते हैं। उन्होंने इस समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग की है। इस जिले में केरल-तमिलनाडु सीमा पर नूलपुझा गांव के एक जंगल के बाहरी इलाके में जंगली हाथी के हमले में 45 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत के एक दिन बाद यह घटना सामने आई है।

इस बीच, कांग्रेस के नेतृत्व वाले संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के स्थानीय नेतृत्व ने बृहस्पतिवार को वायनाड जिले में हड़ताल का आह्वान किया है और राज्य सरकार पर जंगली जानवरों के हमलों से लोगों की सुरक्षा के लिए कदम उठाने में 'विफल' रहने का आरोप लगाया है। यूडीएफ के जिला अध्यक्ष के के अहमद हाजी और संयोजक पी टी गोपाल कुरुप ने एक बयान में कहा कि इन हमलों के कारण लगातार हो रही जनहानि के बावजूद सरकार के निष्क्रिय रहने के विरोध में हड़ताल का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आवश्यक सेवाएं तथा परीक्षा, शादियों एवं वार्षिक धार्मिक उत्सवों से जुड़ी यात्राओं को हड़ताल के दौरान छूट दी गयी है। इस बीच केरल विधानसभा में विपक्ष के नेता वी डी सतीशन ने कहा कि राज्य के ऊंचे इलाकों से चौंकाने वाली खबरों का आना जारी है।

उन्होंने कहा कि जंगल में पानी की कमी के कारण हाथी कथित तौर पर मानव बस्तियों में प्रवेश कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यदि ऐसी स्थिति है तो जंगल में ही (हाथियों के वास्ते) भोजन-पानी का प्रबंध किया जाना चाहिए।

यूडीएफ के आरोप पर मुख्यमंत्री विजयन बोले, लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने बुधवार को कहा कि लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की गई है और गुंडों को संरक्षण नहीं दिया जा रहा है। राज्य में पुलिस के अपराधीकरण और कानून-व्यवस्था की विफलता के विपक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नीत संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के उस नोटिस का विरोध किया जिसमें राज्य विधानसभा में सदन की कार्यवाही को दिन भर के लिए स्थगित करने की मांग की गई थी, ताकि राज्य में कानून-व्यवस्था की कथित विफलता के मुद्दे पर चर्चा की जा सके। हाल ही में पलक्कड़ में हुए दोहरे हत्याकांड और पथानमथिट्टा जिले में एक परिवार पर कथित पुलिस हमले का जिक्र करते हुए यूडीएफ विधायक एन शम्सुद्दीन ने दावा किया कि दोनों ही स्थितियों से पुलिस की विफलता का संकेत मिलता है।

विधायक ने पुलिस की कथित ज्यादती के अन्य मामलों का भी हवाला दिया और आरोप लगाया कि पुलिस बल का अपराधीकरण कर दिया गया है। इन आरोपों के जवाब में मुख्यमंत्री विजयन ने माना कि पुलिस की विफलता के कारण पलक्कड़ में दोहरे हत्याकांड की घटना हुयी, जिसमें 72 वर्षीय एक महिला और उसके 53 वर्षीय बेटे की उसके पड़ोसी चेंथमारा ने कथित तौर पर धारदार हथियार से हत्या कर दी थी।

चेंथमारा बुजुर्ग महिला की बहू की वर्ष 2019 में हत्या करने के मामले में जमानत पर जेल से बाहर आया था। विजयन ने कहा कि नेनमारा पुलिस थाने के निरीक्षक को पीड़ितों के परिवार द्वारा आरोपी से जान को खतरा होने का दावा करने वाली शिकायतों को गंभीरता से न लेने के लिए जांच लंबित रहने तक निलंबित कर दिया गया है। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पथानमथिट्टा में एक बार के बाहर एक परिवार पर हमला करने के आरोपी अधिकारियों को भी निलंबित कर दिया गया है और उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए हैं।

उन्होंने तर्क दिया कि यह दर्शाता है कि सरकार का रुख गलत कृत्यों के खिलाफ है और वह गलत काम करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कानून और व्यवस्था एजेंसी द्वारा सुलझाए गए विभिन्न आपराधिक मामलों का हवाला देते हुए कहा, 'पुलिस अपराधियों को संरक्षण नहीं दे रही है और उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है।' मुख्यमंत्री के रुख के मद्देनजर सदन को स्थगित करने के लिए दिये गए यूडीएफ के नोटिस को विधानसभा अध्यक्ष ए एन शमसीर ने अनुमति देने से इनकार कर दिया जिसके कारण विपक्ष के सदस्यों ने विरोध करते हुए सदन से बहिर्गमन किया। बहिर्गमन का नेतृत्व करते हुए राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी डी सतीसन ने कहा कि अपराधियों के साथ संबंध रखने वाले पुलिस अधिकारियों की संख्या बढ़ रही है।

सतीसन ने यह भी कहा कि सदन में मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार, अपराधियों के साथ कथित संबंधों के लिए जांच का सामना कर रहे 18 अधिकारी सेवा में हैं और राज्य में दोषसिद्धि की दर 10 प्रतिशत से भी कम है। उन्होंने कहा कि ऐसा उचित जांच और अभियोजन की कमी के कारण है।

यूडीएफ ने निजी विश्वविद्यालयों और 'सीप्लेन' परियोजना पर एलडीएफ के रुख में बदलाव पर कटाक्ष किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। कांग्रेस नीत यूडीएफ ने बुधवार को केरल विधानसभा में सत्तारूढ़ वाम मोर्चे पर कटाक्ष करते हुए कहा कि एलडीएफ ने पहले निजी विश्वविद्यालयों का विरोध किया और अब उनका पक्ष ले रहा है, जैसा कि उसने 'सीप्लेन' पर्यटन के मामले में किया था। संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) पर पलटवार करते हुए राज्य के पर्यटन मंत्री पी ए मोहम्मद रियास ने कहा कि ओमन चांडी सरकार के दौरान प्रस्तावित 'सीप्लेन' परियोजना शुरू नहीं हो सकी, क्योंकि इसके संबंध में ''उचित तैयारी'' नहीं की गई थी।

रियास वरिष्ठ कांग्रेस नेता रमेश चेन्निथला की उस टिप्पणी का जवाब दे रहे थे जिसमें उन्होंने कहा था कि वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) निजी विश्वविद्यालयों के मामले में भी वही रुख अपना रहा है जैसा कि सीप्लेन' परियोजना के मामले में है। चेन्निथला ने कहा कि वाम दलों ने पहले भी दोनों परियोजनाओं का विरोध किया था और अब उन्हें स्वीकार कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि तत्कालीन ओमन चांडी सरकार ने मछुआरों के साथ चर्चा नहीं की और न ही सीप्लेन' संचालकों द्वारा उठाए गए मुद्दों का समाधान किया, जिसके कारण अतीत में यह पहल विफल हो गई।

मंत्री ने कहा, यदि उन्होंने बांधों का उपयोग करके परियोजना को क्रियान्वित करने का निर्णय लिया होता, तो इसका कोई विरोध नहीं होता और यह सफल हो जाती। उचित तैयार की कमी के कारण यह परियोजना आगे नहीं बढ़ सकी। केरल में 'पहला सीप्लेन' पिछले वर्ष नवंबर में कोच्चि के जलक्षेत्र से उड़ान भरकर इडुक्की के पहाड़ी जिले के मट्टुपेट्टी बांध पर उतरा था।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दर्शन

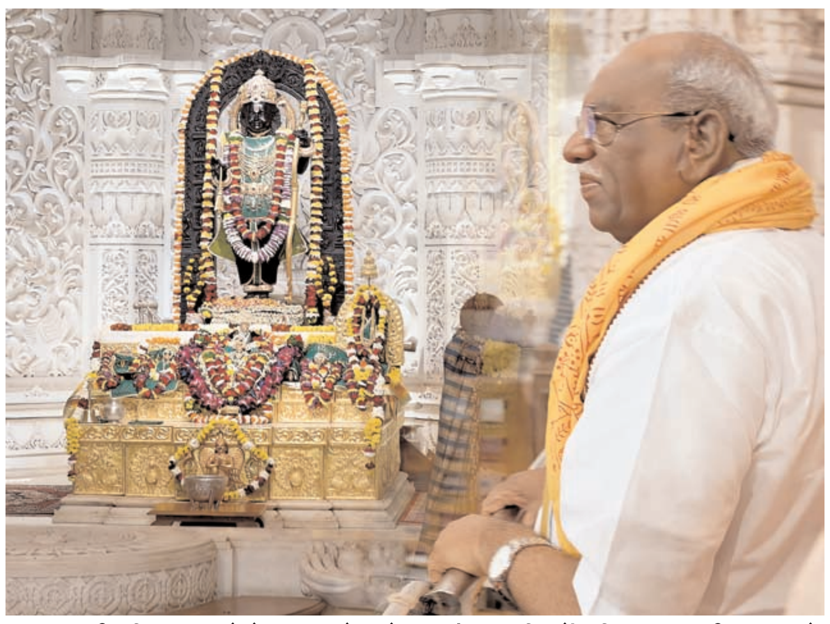

राज्यपाल श्री हरिभाऊ बागड़े ने बुधवार को अयोध्या पहुंचकर परिजनों सहित भगवान श्रीराम लला के दर्शन किए। राज्यपाल बागड़े ने मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान श्रीराम की इस दौरान पूजा-अर्चना की। उन्होंने भगवान से राष्ट्र और राज्य की समृद्धि, सम्पन्नता और खुशहाली की कामना की।

कृत्रिम गर्भाधान के क्षेत्र में राजस्थान को देश में पहले स्थान पर लाना हमारी प्राथमिकता : कुमावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पशुपालन, गोपालन और डेयरी मंत्री जोराराम कुमावत ने बुधवार को राजस्थान पशुधन विकास बोर्ड के सभागार में राष्ट्रीय गोकुल मिशन के अंतर्गत 13 जिलों में तरल नत्रजन भंडारण हेतु 3000 लीटर के साइलो का वर्चुअल लोकार्पण किया। उन्होंने बताया कि तरल नत्रजन पशु नस्ल सुधार के लिए किए जाने वाले कृत्रिम गर्भाधान में काम आता है। तरल नत्रजन की भण्डारण व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए राज्य के 16 जिलों में 3- 3 हजार लीटर क्षमता के वर्टिकल साइलो पूर्व में स्थापित हो चुके हैं। इस तरह अब राज्य के 29 जिलों में वर्टिकल साइलो की स्थापना हो जाने से तरल नत्रजन भंडारण की कुल क्षमता 93 हजार लीटर हो गई है। जयपुर और उदयपुर के साइलो की क्षमता 6-6 हजार लीटर की है।

वर्चुअल लोकार्पण के बाद कुमावत ने वीसी से जुड़े जिलों के पशु चिकित्सा अधिकारियों से बात की और साइलो की कार्यप्रणाली को समझा। उन्होंने जिलों के अधिकारियों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि सरकार पशुपालकों और पशुओं के हित के लिए उनकी सभी मांगों पर गंभीरता से विचार करेगी। उन्होंने कहा कि कृत्रिम गर्भाधान के लिए आवश्यक सभी सुविधाएं जिलों में पहुंचा दी गईं हैं। अब राजस्थान को इस क्षेत्र में पहले नंबर पर लाना विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों के ऊपर निर्भर करता है। इस अवसर पर पशुपालन मंत्री ने जयपुर जिले के मैत्री कार्यकर्ताओं को ए आई किट का वितरण भी किया। उन्होंने मैत्री कार्यकर्ताओं को निर्देश दिया कि वे पूरी निष्ठा और मेहनत से काम करें और कृत्रिम गर्भाधान में राजस्थान को देश में पहला स्थान दिलाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

बाद में पत्रकारों से बातचीत करते हुए मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संवेदनशील मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के कुशल नेतृत्व में प्रदेश सरकार पशुओं के कल्याण के प्रति समर्पित होकर काम कर रही है। कुमावत ने कहा कि आज अधिकतर जिलों में तरल नत्रजन की भंडारण व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए वर्टिकल साइलो की स्थापना हो चुकी है। बाकी बचे जिलों में भी हम जल्द ही यह व्यवस्था सुनिश्चित कर देंगे। उन्होंने कहा कि इन जिलों में साइलो की स्थापना होने से समय, ऊर्जा, मानव श्रम और पैसे इन सबकी बचत तो होगी ही साथ ही अवश्यकतानुसार तरल नाइट्रोजन की सही समय पर गुणवत्तापूर्ण उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी जिससे कृत्रिम गर्भाधान के काम में गति आएगी। उन्होंने कहा कि पहले एक जिले से दूसरे जिले तक नाइट्रोजन की आपूर्ति में जार भी खराब होते थे अब उस समस्या से भी विभाग को निजात मिलेगी।

कुमावत ने बताया कि आज ही के दिन जैसलमेर में कृत्रिम गर्भाधान कवरेज को बढ़ाने के उद्देश्य से मिशन उत्कर्ष जैसलमेर की शुरुआत भी की गई है। विस्तृत भौगोलिक परिस्थितियों और मानव श्रम की कमी के कारण जिले में योजनाओं की क्रियान्विति में समस्या आती है इसीलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जैसलमेर जिले का चयन किया है और जिले में कृत्रिम गर्भाधान के लिए 484. 85 लाख रुपये के विशेष बजट के साथ मिशन उत्कर्ष जैसलमेर परियोजना लागू की गई है। इस अवसर पर शासन सचिव पशुपालन, गोपालन और मत्स्य डॉ. समित शर्मा ने कहा कि आज दौसा, टोंक, बाड़मेर, सवाईमाधोपुर, बारां, जैसलमेर, जालोर, प्रतापगढ़, राजसमंद, डूंगरपुर, चित्तौड़गढ़, श्रीगंगानगर और चुरू जिलों में 218 लाख रुपये के नवीन वर्टिकल साइलो का लोकार्पण किया गया। 5 अन्य जिलों धौलपुर, सिरोही, झालावाड़, बून्दी और कुचामनसिटी में 3 हजार लीटर की क्षमता वाले साइलो की स्थापना आने वाले दिनों में भारत सरकार से बजट प्राप्त होने पर कर दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि आर एल डी बी ने राष्ट्रीय गोकुल मिशन के तहत 73.25 लाख की लागत से 629 मैत्री कार्यकर्ताओं तथा 1687 विभागीय संस्थाओं को ए आई किट उपलब्ध कराया है। डॉ शर्मा ने कहा कि कृत्रिम गर्भाधान कार्य की गुणवत्ता में ए आई किट की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। इस किट में ए आई गन, सीजर, एप्रेन, फॉरसेप, डीप-स्टिक, थर्मामीटर सहित कृत्रिम गर्भाधन में काम आने वाली सामग्री होती है।

राज्य में पहली बार इस किट में इलेक्ट्रिक कैटल तथा क्रायोजार बैग को भी शामिल किया गया है। भविष्य में चरणबद्ध रूप से प्रदेश में 5000 अतिरिक्त ए आई किट उपलब्ध कराए जाएंगे जिस पर 150 लाख रुपये की लागत आएगी। डॉ शर्मा ने कहा कि मिशन उत्कर्ष जैसलमेर परियोजना के अंतर्गत 50 मैत्री कार्यकर्ता को भी कार्य आधारित मानदेय पर चयनित किया गया है।

देवनानी ने माघ पूर्णिमा पर पुष्कर में की पूजा अर्चना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधान सभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने उत्तरप्रदेश के प्रयागराज महाकुंभ में त्रिवेणी संगम घाट पर माघ एकादशी पर मां गंगा की पूजा अर्चना के बाद बुधवार को माघ पूर्णिमा पर अजमेर स्थित पुष्कर सरोवर में पूजा अर्चना कर ब्रह्मा जी के दर्शन किए। उन्होंने इस अवसर पर पावन और सनातन संस्कृति के अनुरूप देश और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की।

विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि मानव जीवन में महाकुंभ में डुबकी लगाने का स्वर्णिम पावन अवसर 144 वर्ष बाद मिला है। स्थानीय मान्यता के अनुरूप सनातन संस्कृति में पवित्र प्रयागराज के दर्शन के पश्चात पुष्कर सरोवर में पूजा अर्चना करने को तीर्थ यात्रा की पूर्णता मानी जाती है। विधान सभा अध्यक्ष देवनानी ने कहा कि हमारे देश की प्राचीन संस्कृति और सनातन परम्परा समृद्ध है। ऐसी पुरातन एवं वैभवशाली सनातन संस्कृति और परम्परा दुनिया में कहीं और देखने को नहीं मिलती है। भारत में वर्षो से यह परंपरा चली आ रही है कि हर खास दिन पर लोग किसी न किसी पवित्र स्थान पर स्नान करते ही हैं। यहां तक कि दुनिया का सबसे बड़ा मेला कुंभ भी स्नान पर ही आधारित है। जहां गंगा जी में स्नान करने दुनिया भर से करोड़ों भक्त पहुंच रहे हैं।

राजस्थान में स्थित पुष्कर में कार्तिक एकादशी से लेकर पूर्णिमा तक स्नान करने का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा है कि माघी पूर्णिमा का दिन आध्यात्मिक ऊर्जा, पुण्य और मोक्ष प्राप्ति का विशेष अवसर है। इस शुभ दिवस पर तीर्थराज पुष्कर सरोवर का पूजन व जगत पिता ब्रह्मा जी के दर्शन कर प्रदेश में निरंतर प्रगति की कामना की है।

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने एकादशी पर प्रयागराज पावन स्थल पर स्थापित मंदिरों के दर्शन कर वहां मौजूद संतो का आशीर्वाद लिया था। प्रयागराज के बाद देवनानी ने पुष्कर में भी पूजा अर्चना कर संतो से आशीर्वाद लिया।

भाजपा के नोटिस पर किरोड़ी का जवाब, कहा- सार्वजनिक कार्यक्रम में बात कही, किसी ने वीडियो वायरल किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अपनी ही सरकार पर फोन टैपिंग के गंभीर आरोप लगाने वाले कैबिनेट मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा ने इस मामले में बीजेपी की तरफ से उन्हें दिए गए नोटिस जवाब भी दे दिया है। बीजेपी ने तीन दिन पहले किरोड़ी को नोटिस भेजकर बयान पर सफाई मांगी थी। जानकारी के अनुसार किरोड़ी ने बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ को ई-मेल के जरिए नोटिस का जवाब भेज दिया है। जवाब में किरोड़ी ने फोन टेपिंग से जुड़े तथ्य भेजे हैं। साथ ही कहा है कि सार्वजनिक कार्यक्रम में उन्होंने फोन टैपिंग वाली बात कही थी। इसी दौरान किसी ने वीडियो वायरल कर दिया। अपने जवाब के साथ किरोड़ी ने यह भी लिखा है कि मैं पार्टी का अनुशासित सिपाही हूं। हमेशा पार्टी के लिए काम किया है।

वायरल वीडियो में मंत्री मीणा ने कहा कि मैं आशा करता था कि हम राज में आएंगे तो भ्रष्टाचारियों पर नकेल कसेंगे। लेकिन निराश हूं। मैने पेपरलीक के मामले उठाए। 50 थानेदार गिरफ्तार हुए। मैंने कहा परीक्षा रद्द करो, लेकिन सरकार नहीं मानी। उल्टा जैसा पिछली सरकार में होता था, चप्पे-चप्पे पर मेरी सीआईडी की जाती है। मेरा टेलीफोन भी रिकॉर्ड किया जाता है। लेकिन मैं कोई बुरा काम करता नहीं, इसलिए मैं डरता नहीं। वीडियो आमागढ़ मंदिर में एक सामाजिक कार्यक्रम का बताया जा रहा है। किरोड़ी के इस बयान के बाद विधानसभा में विपक्ष ने जबरदस्त हंगामा कर दिया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राज्यपाल अभिभाषण पर चर्चा में भाग नहीं लिया और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के जवाब का भी कांग्रेस ने जमकर विरोध किया। टीकाराम जूली ने इस मामले में बयान जारी कर कहा है कि यदि सरकार ने किरोड़ी के मामले में स्पष्टिकरण नहीं दिया तो विधानसभा को चलने नहीं देंगे।

प्रदेश में बेहतर हो रही स्वास्थ्य सेवाएं : खींवसर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के आम जन को बेहतर सुलभ स्वास्थ्य उपलब्ध कराने के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में लगातार मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ एवं बेहतर बनाया जा रहा है। इससे राजकीय अस्पतालों में आमजन को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं सुलभ हो रही हैं। हाल ही ब्यावर जिले के राजकीय अमृतकौर चिकित्सालय में गत 10 जनवरी को एक प्रसूता ने चार नवजात को जन्म दिया। प्रसव समय से लगभग एक माह पूर्व जन्मे इन नवजात का वजन स्वास्थ्य मानकों के अनुरूप कम था। जन्म के समय नवजात शिशुओं का वजन क्रमश: 1.5, 1.3, 1.2 तथा 1.7 किलोग्राम था। कम वजन के कारण इनका जीवन खतरे में थे। इसे देखते हुए डॉ. विद्या सक्सेना और उनकी टीम द्वारा सफल प्रसव के बाद कम वजन के चारों नवजात को स्पेशल न्यूबोर्न केयर यूनिट (एसएनसीयू) इंचार्ज डॉ. एम.एस.चंदावत की विशेष देखरेख में उपचार के लिए भर्ती किया गया।

परियोजना निदेशक, बाल स्वास्थ्य डॉ. प्रदीप चौधरी ने बताया कि प्रारंभ में नवजात शिशुओं को ऑक्सीजन सपोर्ट पर रखा गया और चिकित्सालय के लैकटेशनल मैनेंजमेंट सेंटर (सीएलएमसी) से निरंतर दुग्धपान करवाया गया। कुछ दिन बाद शिशुओं ने सामान्य रूप से सांस लेना प्रारंभ किया और उनके वजन में भी सुधार दर्ज किया जाने लगा।

पहले और चौथे शिशु ने जन्म से 3 दिन बाद, दूसरे शिशु ने 5 दिन बाद और तीसरे शिशु ने 6 दिन बाद सामान्य स्तनपान शुरू कर दिया। चारों नवजात में निरंतर स्वास्थ्य सुधार होता रहा। एक महीने की सघन देखभाल व उपचार के बाद चारों बच्चों को 10 फरवरी को चिकित्सालय से डिस्चार्ज कर दिया गया। अब चारों बच्चे व मां स्वस्थ हैं।

राज्य मानव अधिकार आयोग विधि विद्यार्थियों को देगा 15 दिवसीय प्रशिक्षण

जयपुर। राजस्थान राज्य मानव अधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायाधिपति जी आर मूलचंदानी ने बुधवार को सचिवालय में आयोग द्वारा विधि विद्यार्थियों के लिए आयोजित 15 दिवसीय शीतकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मूलचंदानी ने कहा कि मानवाधिकारों की रक्षा में अधिवक्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से विधि विद्यार्थी मानवाधिकारों को कानूनी, सामाजिक और नैतिक दृष्टिकोण से समझकर समाज में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। इस दौरान आयोग के सदस्य अशोक कुमार गुप्ता ने विद्यार्थियों को मानवाधिकारों की संक्षिप्त में जानकारी दी। साथ ही, उन्होंने विद्यार्थियों को कठोर परिश्रम कर इच्छित लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया।

आयोग की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक डॉ संध्या यादव ने बताया कि इंटर्नशिप कार्यक्रम में विद्यार्थियों को शिक्षण संस्थाओं, समाजसेवी संस्थाओं, पुलिस एवं प्रशासनिक सेवाओं के अधिकारियों, विश्वविद्यालयों, यूनिसेफ, वरिष्ठ अधिवक्ताओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं द्वारा विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर व्याख्यान आयोजित करवाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इंटर्नशिप में आउटडोर विजिट के दौरान प्रतिभागियों को जयपुर स्थित केंद्रीय कारागार, महिला कारागार, बाल संप्रेषण गृह एवं बाल संरक्षण न्यायालय सहित पुलिस थानों की कार्यशैली से अवगत कराया जाएगा।

आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस को हरवाने का काम किया है : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत ने दिल्ली में आम आदमी पार्टी की ओर से कांग्रेस पर उसे हरवाने के लगाये गये आरोप को पूर्णत: निराधार बताते हुए कहा है कि सच्चाई यह है कि आम आदमी पार्टी ने कई राज्यों में कांग्रेस को हरवाने का काम किया है। गहलोत ने बुधवार को यहां जारी बयान में कहा कि आम आदमी पार्टी का जहां कोई आधार ही नहीं था, केवल कांग्रेस के वोट काटने के उद्देश्य से वहां जाकर चुनाव लड़ी। उन्होंने कहा कि गुजरात, गोवा, उत्तराखंड में जहां कांग्रेस अच्छी स्थिति में थी तथा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की हालत खराब थी, वहां आम आदमी पार्टी चुनाव लड़ने पहुंच गई, जिससे कांग्रेस के मतों का बंटवारा हो गया और कांग्रेस को काफी नुकसान हुआ। इन जगहों पर 'आप' के अधिकतर जीते या हारे उम्मीदवार बाद में भाजपा सहित दूसरे दलों में चले गए। यानी ये केवल चुनाव में कांग्रेस का नुकसान करने के लिए ही लड़े थे।

कांग्रेस नेताओं ने तत्काल जनगणना की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने लंबे समय से लंबित राष्ट्रीय जनगणना को तत्काल शुरु करने की मांग की है और कहा कि इस काम में देरी से लाखों गरीब लोग सरकारी योजनाओं के वाजिब लाभ से वंचित हो रहे हैं। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने जनगणना न कराने के लिए केंद्र सरकार की आलोचना की है। गहलोत ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, यह समझ के परे है कि 2021 में प्रस्तावित जनगणना को कोविड-19 महामारी का बहाना देकर स्थगित किया गया तथा चार साल बीत जाने के बाद भी जनगणना नहीं करवाई जा रही है। देश की आजादी के बाद पहली बार ऐसा हुआ है कि जनगणना तय समय पर नहीं हुई है।

उन्होंने कहा, जनगणना न होने के कारण सरकारी योजनाओं, खासकर खाद्य सुरक्षा योजना की 'प्लानिंग' ठीक से नहीं हो पा रही है। उन्होंने कहा, 14 साल पुराने आंकड़ों से बनाई गई योजनाओं के कारण एक बड़ा वर्ग लाभान्वित नहीं हो पा रहा है। उदाहरण के लिए 2011 में 14 साल का बच्चा आज 28 साल का युवा हो चुका है लेकिन जनगणना नहीं होने के कारण खाद्य सुरक्षा का लाभ नहीं मिल पाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, केन्द्र सरकार को जल्द से जल्द जनगणना शुरु करवानी चाहिए जिससे नए आंकड़ों से अधिक से अधिक लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ मिल सकेगा। कांग्रेस नेता ने राज्य की कानून व्यवस्था को लेकर प्रदेश की भारतीय जनता पार्टी सरकार पर भी निशाना साधा।

गहलोत ने कहा, सीकर में नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म, श्रीगंगानगर में किशोरी से दुष्कर्म के कारण उसके गर्भवती होने की ये खबरें राजस्थान सरकार की पोल खोल रही हैं। राज्य सरकार केवल थोथे गाल बजाकर कानून-व्यवस्था पर राग अलापती है लेकिन असलियत ये है कि राजस्थान में कोई भी बालिका या महिला सुरक्षित नहीं है।

कांग्रेस नेता ने कहा, मख्यमंत्री जी ने दो घंटे लंबा भाषण विधानसभा में दिया पर महिला सुरक्षा पर कुछ ठोस बात नहीं कही। यह दिखाता है कि महिला सुरक्षा सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल ही नहीं है।

राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने भी मांग दोहराते हुए हाशिए पर पड़े समुदायों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए जाति आधारित जनगणना की आवश्यकता पर बल दिया। जूली ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, भारत सरकार द्वारा 2021 की जाति आधारित जनगणना को कोरोना के बहाने से टाला गया था, लेकिन आज चार साल बाद भी जनगणना क्यों नहीं हो रही? यह गरीबों के प्रति उनकी मानसिकता को दर्शा रहा है ।

जूली ने कहा, केंद्र की भाजपा सरकार को जल्द से जल्द जनगणना करानी चाहिए ताकि हर जरूरतमंद को उसका हक और अधिकार मिले। कांग्रेस नेताओं की यह मांग पार्टी की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा संसद में इस मुद्दे को उठाए जाने के बाद आई है, जिसमें उन्होंने इस बात पर जोर दिया था कि प्रभावी शासन और संसाधनों के समान वितरण के लिए अद्यतन जनगणना के आंकड़े महत्वपूर्ण हैं।

जयपुर यात्रा के दौरान पुलिस सुरक्षा मिलने के दावे को लेकर यूट्यूबर एल्विश यादव के खिलाफ प्राथमिकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर पुलिस ने शहर की यात्रा के दौरान सुरक्षा मुहैया कराए जाने संबंधी दावे को लेकर यूट्यूबर एल्विश यादव के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस ने इस दावे को खारिज करते हुए कहा है कि यादव को कोई आधिकारिक सुरक्षा मुहैया नहीं कराई गई थी। यूट्यूबर ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक वीडियो अपलोड किया जिसके बाद विवाद शुरू हो गया। वीडियो में यादव एक वाहन में बैठे दिख रहे हैं, जिसे राजस्थान के पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास का बेटा कृष्णवर्धन चला रहा है। वीडियो में उनकी कार के आगे एक पुलिस सुरक्षा वाहन चलता हुआ दिख रहा है। वीडियो में कृष्णवर्धन यह कहता हुआ सुनाई दे रहा है कि पुलिस वाहन अलग-अलग थाना क्षेत्रों से गुजरते समय बदल जाएंगे। हालांकि, राजस्थान पुलिस ने इन दावों को खारिज कर दिया। जयपुर के पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसेफ ने कहा कि यादव को ऐसी कोई सुरक्षा मुहैया नहीं कराई गई।

जोसेफ ने कहा, इस मामले में उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त रामेश्वर सिंह ने स्पष्ट किया कि यादव को कोई सुरक्षा मुहैया नहीं कराई गई थी और यह केवल स्थापित प्रोटोकॉल के आधार पर प्रदान की जाती है। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त कुंवर राष्ट्रदीप ने पुष्टि की कि यादव के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। यादव आठ फरवरी को सांभर में एक म्यूजिक वीडियो शूट के लिए जयपुर आया था और अपनी यात्रा के दौरान एक व्लॉग भी बनाया था। विवादास्पद फुटेज इस व्लॉग का हिस्सा था। विवाद पर प्रतिक्रिया देते हुए पूर्व मंत्री प्रताप सिंह खाचरियावास ने खुद को और अपने बेटे को इस मामले से अलग करते हुए कहा कि उनमें से किसी ने भी पुलिस सुरक्षा का अनुरोध नहीं किया था। कांग्रेस नेता खाचरियावास ने कहा, एलविश अक्सर मुझसे मिलने आता है। एक नेता के रूप में मैं कई लोगों से मिलता हूं। मेरी पार्टी सत्ता में नहीं है, इसलिए मुझे नहीं पता कि पुलिस वाहन की व्यवस्था किसने की या वह वहां क्यों था। न तो मेरे बेटे ने और न ही मैंने सुरक्षा के लिए कहा था। राज्य सरकार या एल्विश को इस बारे में स्पष्टीकरण देना चाहिए। इस मुद्दे को बहुत ज्यादा खींचा जा रहा है।' पुलिस ने कहा कि मामले की जांच की जा रही है।

महाकुंभ : माघी पूर्णिमा पर दो करोड़ से अधिक लोगों ने लगाई संगम में डुबकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

महाकुंभ नगर/भाषा। महाकुंभ के पांचवें स्नान पर्व माघी पूर्णिमा पर बुधवार को शाम छह बजे तक दो करोड़ से अधिक लोगों ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। सरकार ने इस दौरान स्नान करने वाले श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराई।

बुधवार तड़के सुबह से ही चारों दिशाओं से महिला, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चों समेत श्रद्धालुओं का गंगा और संगम घाट की ओर आगमन जारी है।

मेला प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, बुधवार को शाम छह बजे तक दो करोड़ से अधिक लोगों ने संगम और गंगा में स्नान किया। महाकुंभ की शुरुआत से 13 जनवरी से अभी तक 48.25 करोड़ से अधिक लोग यहां स्नान कर चुके हैं। सभी कल्पवासियों से यातायात नियमों का पालन करने और केवल अधिकृत पार्किंग का उपयोग करने का अनुरोध किया गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार सुबह चार बजे से ही लखनऊ में अपने आधिकारिक आवास में बने वार रूम से मेला क्षेत्र की निगरानी की। उनके साथ डीजीपी प्रशांत कुमार, प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने माघी पूर्णिमा की बधाई देते हुए 'एक्स' पर कहा, महाकुंभ में आज पवित्र त्रिवेणी में पुण्य स्नान हेतु पधारे सभी पूज्य साधु संतों, धर्माचार्यों, कल्पवासियों और श्रद्धालुओं का हार्दिक अभिनंदन। भगवान श्री हरि की कृपा से सभी के जीवन में सुख, समृद्धि और सौभाग्य का वास हो। मां गंगा, यमुना और सरस्वती सभी के मनोरथ पूर्ण करें, यही कामना है।

एसएसपी कुंभ राजेश द्विवेदी ने कहा, श्रद्धालुओं का आवागमन सुचारू रूप से चल रहा है और हम भीड़ वाली सभी जगहों पर सतर्कता बरत रहे हैं। हमने इस बार सभी व्यवस्थाएं और मजबूत की हैं। उत्तर प्रदेश सरकार ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए ऑपरेशन चतुर्भुज भी लांच किया है जिसके तहत 2,750 हाईटेक कैमरों, ड्रोन और एंटी ड्रोन से मेले की निगरानी कर रहे इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर द्वारा सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

अधिकारियों के मुताबिक प्रयागराज आने वाले श्रद्धालुओं के निजी और सार्वजनिक वाहनों को 11 फरवरी को सुबह चार बजे के बाद से संबंधित रूट की पार्किंग में पार्क कराया गया है ताकि शहर में यातायात अव्यवस्था न हो और श्रद्धालु पैदल सुगमता से स्नान घाटों तक पहुंच सकें। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं के आवागमन को सुगम बनाने के लिए प्रशासन ने 11 फरवरी की शाम 5:00 बजे से पूरे प्रयागराज शहर को भी 'नो व्हीकल जोन' घोषित किया है। केवल आपातकालीन सेवाओं को इस प्रतिबंध से छूट दी जाएगी। अधिकारियों ने कहा कि प्रदेश के परिवहन विभाग ने अतिरिक्त 1200 शटल बसें मेले के लिए लगाई हैं जो हर 10 मिनट में श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध रहेंगी।

महाकुंभ मेला 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के स्नान के साथ संपन्न होगा। 29 जनवरी को मौनी अमावस्या पर हुई भगदड़ में 30 लोगों की मृत्यु हो गई थी और 60 लोग घायल हो गए थे।

महाकुंभ में धर्मगुरुओं संग सरकार करेगी जलवायु परिवर्तन पर मंथन

लखनऊ/भाषा। जलवायु परिवर्तन की चुनौतियों से निपटने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने धर्मगुरुओं संग महाकुंभ में मंथन करने का फ़ैसला किया है। यह पूछे जाने पर कि धर्म गुरु ही क्यों? इस पर राज्य के मुख्य सचिव मनोज कुमार ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'क्योंकि ये धर्मगुरु विचारशील नेता भी हैं, जिनके पास सामाजिक चेतना को प्रभावित करने की शक्ति है। उत्तर प्रदेश सरकार का पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग, आई फॉरेस्ट' के साथ साझेदारी में 'कुंभ की आस्था और जलवायु परिवर्तन' शीर्षक से एक सम्मेलन का आयोजन कर रहा है। 16 फरवरी को महाकुंभ में होने वाले इस सम्मेलन में धर्म गुरु और विशेषज्ञ शामिल होंगे। 'आई फॉरेस्ट' पर्यावरण, स्थिरता और प्रौद्योगिकी के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच है। 'पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन शमन में धर्म गुरुओं की भूमिका' पर एक सत्र में विशेषज्ञ इस बात पर चर्चा करेंगे कि कैसे धर्म गुरु इस जटिल मुद्दे का समाधान खोजने में मदद कर सकते हैं। अन्य विषय जैसे 'जलवायु कार्रवाई में आस्था-आधारित संगठनों को बढ़ावा देने और समर्थन करने में सरकारों की भूमिका, आपदा राहत, अनुकूलन और शमन में धार्मिक संगठनों की भूमिका, पवित्र नदियाँ, जल सुरक्षा और जलवायु परिवर्तन, और मिशन लाइफ़ (पर्यावरण के लिए जीवन शैली) को बढ़ावा देने पर सभी धर्म गुरुओं को विशेषज्ञों के साथ मंथन करते देखा जा सकता है।

बैल बचाओ अभियान के तहत महाकुंभ में बैल चालित कोल्हू और चक्की लगाई गई

महाकुंभ नगर/भाषा। शंकराचार्य और अन्य साधु संत जहां महाकुंभ मेले में देशी गाय को बचाने और उसे राष्ट्रमाता घोषित करने की दिशा में अभियान चला रहे हैं, वहीं इस मेले में बैलों को बचाने की एक अनूठी मुहिम शुरू करते हुए जयपुर के राहुल शर्मा ने सेक्टर-आठ में अपने शिविर के बाहर बैल चालित कोल्हू और चक्की लगाई है। राहुल शर्मा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, जैसे नर बिना नारी अधूरा है, उसी तरह बैल के बिना गाय अधूरी है। हर कोई गाय बचाने की बात कर रहा है, लेकिन बैल पर कोई ध्यान नहीं दे रहा और बैलों को सड़कों पर छोड़ दिया गया है। उन्होंने कहा, ट्रैक्टर आने से बैलों की उपयोगिता खत्म हो गई और वे बेकार हो गए। अब सरकार और डॉक्टर जैविक खाद्य पदार्थों की बात कर रहे हैं। वहीं, विदेशों में 'कोल्ड प्रेस्ड' के नाम पर तेल ऊंचे दाम पर बिक रहा है। यही कोल्ड प्रेस्ड तेल हमारे पूर्वज सदियों से खाते आए हैं। हम बैलों को फिर से उपयोगी बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। महाकुंभ मेले में लगाई गई बैल चालित चक्की के बारे में शर्मा ने बताया कि वह इस डेढ़ टन की चक्की को हरियाणा के झज्जर से लेकर आए हैं। बैल चालित यह चक्की एक घंटे में 50 किलो आटा पीसती है। वहीं, बैल से चलने वाला कोल्हू एक दिन में चार लीटर तेल निकालता है। उन्होंने बताया कि वह जल्दी ही लखनऊ में प्रथम बुल पावर क्लब बनाने जा रहे हैं जहां बैल से चलने वाली चक्की, कोल्हू और गोकाष्ट (गोबर से लकड़ी बनाने) मशीन के जरिए किसानों और आम उपभोक्ताओं को जोड़ा जाएगा।

पश्चिम बंगाल में 3.89 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 3.89 लाख करोड़ रुपए का बजट बुधवार को पेश किया। इसमें सामाजिक कल्याण, ग्रामीण विकास और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान दिया गया है। सरकार ने अपने बजट में बुनियादी ढांचे तथा कृषि विकास परियोजनाओं की घोषणा की, जिसमें ग्रामीण संपर्क, नदी कटाव नियंत्रण तथा कृषि सहायता पहलों के लिए विशेष धनराशि आवंटित की गई है।

भट्टाचार्य ने अन्य एक महत्वपूर्ण घोषणा में कहा कि राज्य सरकार एक अप्रैल 2025 से महंगाई भत्ते (डीए) में चार प्रतिशत की वृद्धि करेगी। इससे राज्य कर्मचारियों के लिए कुल महंगाई भत्ता 18 प्रतिशत हो जाएगा। इससे बढ़ती महंगाई के बीच उन्हें आवश्यक राहत मिलेगी।

भाजपा नीत उप्र सरकार महाकुंभ भगदड़ में मरने वालों की सही संख्या जारी नहीं कर रही : ममता का आरोप

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को महाकुंभ में भगदड़ पर चिंता जताते हुए आरोप लगाया कि उत्तर प्रदेश के अधिकारी ''मौतों का सही आंकड़ा जारी नहीं कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा में राज्य बजट पेश किए जाने के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए बनर्जी ने केंद्र द्वारा राज्य की बकाया राशि जारी न किए जाने पर अपनी निराशा व्यक्त की। उन्होंने कहा, महाकुंभ की घटना में इतने सारे लोग मारे गए, लेकिन वे मौतों का सही आंकड़ा जारी नहीं कर रहे हैं। उन्होंने इतना प्रचार किया कि बड़ी संख्या में लोग महाकुंभ देखने आए, लेकिन आयोजन स्थल पर उचित व्यवस्था नहीं की गई।

पिछले महीने महाकुंभ मेले में मची भगदड़ में कम से कम 30 लोगों की मौत हो गई थी और 60 अन्य घायल हो गए थे।

बनर्जी ने दावा किया, केंद्र सरकार बंगाल की वैध बकाया राशि जारी करने में विफल रही है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि राज्य सरकार अपने हक के धन को प्राप्त करने के लिए संघर्ष कर रही है। मुख्यमंत्री ने बंगाल से संबंधित केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की टिप्पणियों पर भी प्रतिक्रिया व्यक्त की और दावा किया कि उनकी टिप्पणियां 'पक्षपातपूर्ण' होने के साथ 'तथ्यों पर आधारित नहीं' हैं।

सीतारमण ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल की सत्तारूढ़ सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस शोषण का पर्याय बन गई है और पार्टी ने भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप देने के साथ ही संस्थाओं को खत्म कर दिया है।

अपने संबोधन में बनर्जी ने केंद्र सरकार पर केंद्रीय बजट में खोखले वादे करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, केंद्रीय बजट में सिर्फ वादे होते हैं। हम अपने राजस्व से धन आवंटित करते हैं और अपने बजट में जो कहते हैं, उसे पूरा करते हैं। उन्होंने राज्य के दृष्टिकोण और केंद्र की कथित अधूरी प्रतिबद्धताओं के बीच स्पष्ट अंतर को उजागर किया। पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने बुधवार को सामाजिक कल्याण पर विशेष ध्यान देते हुए 2025-26 के लिए 3.89 लाख करोड़ रुपए का बजट पेश किया ।

ओडिशा सरकार ने जूनियर शिक्षकों के वेतन में वृद्धि की

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा सरकार ने बुधवार को 'समग्र शिक्षा' कार्यक्रम के तहत राज्य के प्राथमिक विद्यालयों में कार्यरत जूनियर शिक्षकों के मासिक वेतन में वृद्धि करने की घोषणा की। स्कूल एवं जन शिक्षा विभाग द्वारा जारी एक आदेश के अनुसार जूनियर शिक्षकों (विभिन्न योजनाओं के तहत) का मासिक वेतन 11,000 रुपए से बढ़ाकर 16,000 रुपए प्रति माह कर दिया गया है। विभाग ने कहा, वेतन की संशोधित दर आदेश जारी होने की तिथि से प्रभावी होगी। मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी ने 17 जनवरी को इस संबंध में एक प्रस्ताव को मंजूरी दी। मासिक वेतन वृद्धि के अलावा, उनका ईपीएफ (कर्मचारी भविष्य निधि) अंशदान 1,443 रुपए से बढ़ाकर 1,950 रुपए प्रति माह किया जाएगा। वर्तमान में, राज्य में लगभग 13,740 जूनियर शिक्षक (समग्र शिक्षा योजना के तहत) कार्यरत हैं।

बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन फिर सत्ता में लौटेगा : गिरिराज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बुधवार को विश्वास जताया कि बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) फिर से सत्ता में लौटेगा। बिहार में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। सिंह बिहार की बेगूसराय लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व करते हैं।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा), जनता दल (यूनाईटेड), लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास), हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा और राष्ट्रीय लोक मोर्चा बिहार में राजग के घटक हैं।

केंद्रीय कपड़ा मंत्री सिंह ने कहा, बिहार में राजग की सरकार है और राजग की सरकार ही बनेगी।

सिंह ग्रेटर नोएडा में 'इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट' में कपड़ा प्रौद्योगिकी, डाइंग, रसायन और हस्तशिल्प कार्यक्रमों का उद्घाटन करने के बाद संवाददाताओं से बातचीत कर रहे थे। ये कार्यक्रम 'भारत टेक्स' के तहत आयोजित किए जा रहे हैं। सिंह ने कहा कि 'भारत टेक्स' में 6,000 विदेशी खरीदार भाग ले रहे हैं, जो दुनिया का सबसे बड़ा कपड़ा मेला है।

भारत मंडपम में शुक्रवार से सोमवार तक 5,000 से अधिक प्रदर्शकों के साथ एक मेगा कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। भारत मंडपम में होने वाले कार्यक्रम में 110 से अधिक देशों के खरीदारों और नीति निर्माताओं, वैश्विक सीईओ और उद्योगपतियों सहित 1,20,000 से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है।

सिंह ने बाद में सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज ग्रेटर नोएडा एक्सपो सेंटर में 'भारत टेक्स' के अंतर्गत हस्तशिल्प, डाइंग, केमिकल्स और गारमेंट मशीनरी एक्सपो का उद्घाटन किया। यह सिर्फ एक एक्सपो नहीं, बल्कि आत्मनिर्भर भारत की ओर एक बड़ा कदम है!'' उन्होंने कहा, भारतीय वस्त्र उद्योग की समृद्ध विरासत और आधुनिक तकनीक का संगम हमें वसुधैव कुटुंबकम् की भावना के साथ वैश्विक मंच पर नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड!''

राजद के शासनकाल के दौरान लोग शाम के बाद घर से बाहर निकलने से डरते थे : नीतीश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने बुधवार को राष्ट्रीय जनता दल (राजद) पर निशाना साधते हुए कहा कि राज्य में उसके शासनकाल में लोग शाम के बाद घर से बाहर निकलने से डरते थे।

जनता दल (यूनाइटेड) के प्रमुख ने संत रविदास जयंती के अवसर पर पटना में आयोजित एक समारोह को संबोधित करते हुए अपने चिरप्रतिद्वंद्वी लालू प्रसाद यादव की पार्टी पर निशाना साधते

हुए यह बात कही। नीतीश ने किसी का नाम लिए बिना ही विपक्षी दलों पर निशाना साधा और अपने मौजूदा सहयोगी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तारीफ की।

नीतीश (73) ने कहा, क्या हमसे पहले सत्ता में रहने वालों ने कुछ किया? जो कुछ भी हुआ है, वह हमने किया है। इस अवसर पर मंच पर भाजपा नेता एवं केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय और उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी तथा विजय कुमार सिन्हा भी मौजूद थे।

बिहार में सबसे लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे नीतीश ने कहा, वर्ष 2005 में जब हमने सत्ता संभाली थी, तब क्या स्थिति थी? खराब कानून-व्यवस्था के कारण लोग शाम ढलने के बाद अपने घरों से बाहर निकलने से डरते थे। और आज देखिए कि हालात क्या हैं। लड़के-लड़कियां रात 11 बजे तक सड़कों पर देखे जा सकते हैं और लोग अपना कारोबार कर रहे हैं।

मणिपुर के पूर्व विधायक के आवास के पास दो हथगोले मिले

इंफाल/भाषा। इंफाल पश्चिम जिले में पूर्व विधायक बिजॉय कोइजाम के आवास के नजदीक बुधवार सुबह किसी अज्ञात उपद्रवी द्वारा रखे गए दो हथगोले बरामद हुए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि विधायक के परिवार के सदस्यों ने मुख्य द्वार के पास जमीन पर एक हथगोला पड़ा देखा और पुलिस को सूचना दी।

उन्होंने बताया कि इलाके की तलाशी के दौरान पुलिस को एक और हथगोला मिला। पुलिस ने कहा कि बाद में हथगोले को लंगोल में एक डंपिंग स्थल पर ले जाया गया और नष्ट किया गया। पुलिस ने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया है।

अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। अयोध्या में राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी महंत सतेंद्र दास का बुधवार को लखनऊ के एक अस्पताल में निधन हो गया। उन्हें इस महीने की शुरुआत में मस्तिष्काघात के बाद संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआई) में भर्ती कराया गया था।

अस्पताल ने बताया, राम मंदिर अयोध्या के मुख्य पुजारी सतेंद्र दास जी ने आज अंतिम सांस ली। उन्हें तीन फरवरी को मस्तिष्काघात के बाद गंभीर हालत में न्यूरोलॉजी वार्ड के एचडीयू (हाई डिपेंडेंसी यूनिट) में भर्ती कराया गया था।

सतेंद्र दास का पार्थिव शरीर बुधवार दोपहर अयोध्या में उनके आवास पर लाया गया। उनके उत्तराधिकारी पुजारी प्रदीप दास ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, हम उनके सभी शिष्यों के आने का इंतजार कर रहे हैं। उम्मीद है कि बृहस्पतिवार दोपहर को उन्हें 'जल समाधि' दी जाएगी।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 85 वर्षीय महंत सतेंद्र दास के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया और कहा कि यह आध्यात्मिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने 'एक्स' पर लिखा, परम रामभक्त, श्री राम जन्मभूमि मंदिर, श्री अयोध्या धाम के मुख्य पुजारी आचार्य श्री सतेंद्र कुमार दास जी महाराज का निधन अत्यंत दुःखद एवं आध्यात्मिक जगत के लिए अपूरणीय क्षति है। विनम्र श्रद्धांजलि। उन्होंने कहा, प्रभु श्री राम से प्रार्थना है कि दिवंगत पुण्यात्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें तथा शोक संतप्त शिष्यों एवं अनुयायियों को यह अथाह दुःख सहन करने की शक्ति प्रदान करें। ऊं शांति।

उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा, वह भगवान से प्रार्थना करते हैं कि महंत सतेंद्र दास के अनुयायियों को इस असहनीय पीड़ा को सहन करने की शक्ति दें।

दास ने 20 वर्ष की आयु में 'संन्यास' ले लिया था। उन्होंने छह दिसंबर, 1992 को बाबरी मस्जिद के विध्वंस के दौरान भी पुजारी के रूप में सेवा की थी। बाद में जब सरकार ने परिसर को अपने नियंत्रण में ले लिया, तो उन्हें अस्थायी मंदिर का मुख्य पुजारी बना दिया गया। दास ने 2022 में 'पीटीआई-भाषा' से बातचीत में कहा था कि वह 1992 में अस्थायी रामलला मंदिर के पुजारी के रूप में शामिल हुए थे। उसी वर्ष बाबरी मस्जिद को ध्वस्त कर दिया गया था। दास से जब पूछा गया कि क्या मस्जिद गिराए जाने के समय वह मौजूद थे, तो उन्होंने कहा था, मैं वहां था। यह मेरे सामने हुआ। मैं इसका गवाह था। तीन गुंबदों में से उत्तरी और दक्षिणी गुंबदों को 'कार सेवकों' ने ध्वस्त कर दिया था। मैंने रामलला को उनके सिंहासन के साथ अपने हाथ में ले लिया। उन्होंने कहा, बाद में 'कार सेवकों' ने एक तंबू लगाया और उस स्थान को समतल कर दिया तथा शाम सात बजे तक मैंने रामलला को वहीं स्थापित कर दिया।

मणिपुर में कोई संवैधानिक संकट नहीं, केंद्र सरकार सुलझाएगी मुद्दे : भाजपा विधायक

इम्फाल/भाषा। मणिपुर के भाजपा विधायक करम श्याम ने बुधवार को दावा किया कि जातीय हिंसा से प्रभावित राज्य के मुख्यमंत्री पद से एन बीरेन सिंह के नौ फरवरी को इस्तीफा देने के बाद ''कोई संवैधानिक संकट'' नहीं है।

श्याम ने कहा कि विधायकों की मदद से केंद्र सरकार मौजूदा मुद्दों का समाधान करेगी।

भाजपा विधायक ने कहा कि मौजूदा मुद्दों को केंद्र सरकार विधायकों की मदद से सुलझाएगी। उन्होंने कहा, मुझे राष्ट्रपति शासन

के बारे में जानकारी नहीं है। मुझे लगता है कि विधायकों की सहायता से यह समस्या (वर्तमान नेतृत्व संकट) केंद्र सरकार हल कर लेगी। मुझे नहीं लगता कि मणिपुर में कोई संवैधानिक संकट है।

भाजपा विधायक इम्फाल के एक होटल में पार्टी के पूर्वोत्तर प्रभारी संबित पात्रा से मिलने पहुंचे थे।

जातीय हिंसा प्रभावित राज्य में नौ फरवरी को मुख्यमंत्री के इस्तीफा देने के बाद पैदा हुए नेतृत्व संकट के बीच पात्रा के नेतृत्व में भाजपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को राजभवन में राज्यपाल अजय कुमार भल्ला से मुलाकात की थी।

विधानसभा के दो सत्रों के बीच छह महीने के अधिकतम अंतराल की समाप्ति पर पूछे गए सवाल पर श्याम ने कहा, देखते हैं क्या होता है।

पैसा मेरी बुद्धि और मां सरस्वती की कृपा से आ रहा है : प्रशांत किशोर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने अपनी पार्टी की फंडिंग को लेकर लगाये गए आरोपों का जवाब देते हुए बुधवार को कहा कि उनके पास पैसा उनकी बुद्धि के कारण आता है।

किशोर ने सत्तारूढ़ जनता दल (यूनाइटेड) के आरोपों का जवाब देते हुए कहा, पैसा मेरी बुद्धि और मां सरस्वती की कृपा से आ रहा है, मैं ठेकेदार, सांसद और विधायक तो कभी नहीं रहा।

पूर्व चुनावी रणनीतिकार ने पटना में पार्टी के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर भी कटाक्ष किया और आरोप लगाया कि सारा धन गुजरात जा रहा है।

किशोर ने जद(यू) प्रवक्ता और विधान परिषद के सदस्य नीरज कुमार द्वारा उनकी पार्टी पर लगाए गए आरोपों की ओर इशारा करते हुए कहा, लोग पूछ रहे हैं कि प्रशांत किशोर इतना पैसा कहां से ला रहे हैं।

नीरज कुमार ने हाल ही में आरोप लगाया था कि जन सुराज पार्टी को बेंगलूरु स्थित एक धर्मार्थ संगठन द्वारा वित्त पोषित किया गया है।

जद(यू) नेता ने यह भी दावा किया है कि किशोर ने उक्त संगठन को 50 लाख रुपए का दान भी दिया था और साथ ही आरोप लगाया था कि यह कर धोखाधड़ी का मामला प्रतीत होता है।

चुनावी रणनीतिकार के रूप में विभिन्न राजनीतिक विचारधाराओं के नेताओं के लिए काम कर चुके किशोर ने कहा, मैंने कभी ठेकेदारी नहीं की, न कभी विधायक, सांसद बना। न ही मैं किसी सरकारी पद पर रहा और न ही मैं आईएएस या आईपीएस रहा। मेरे पास जो कुछ भी है वह मेरी बुद्धि और मां सरस्वती की कृपा से है और हम सब जानते हैं कि जिस पर सरस्वती जी की कृपा होती है उसके पास लक्ष्मी जी अवश्य आती हैं।

किशोर (47) ने जनसुराज पार्टी के उन उम्मीदवारों का चुनावी खर्च वहन करने की कसम खाई है जिनके पास चुनाव लड़ने के लिए पर्याप्त धन नहीं है।

किशोर ने तीखे लहजे में कहा, क्या सारा पैसा गुजरात के युवाओं के पास ही होगा? भले ही सत्ता बिहार के युवाओं के वोट से हासिल हुई हो? अब यह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बिहार के युवा हमेशा सस्ते श्रम का स्रोत नहीं रहेंगे।

सुविचार

जो व्यक्ति हर वक्त दुख का रोना रोता है, उसके द्वार पर खड़ा सुख बाहर से ही लौट जाता है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'सब्ज बाग' की सच्चाई

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अवैध मार्गों से लोगों को विदेश भेजने वाले ट्रैवल एजेंटों के खिलाफ कार्रवाई करने की जो घोषणा की है, वह स्वागत-योग्य है। अगर यह कार्रवाई पूरी ईमानदारी और दृढ़ता से होती है तो इससे कई लोगों का भविष्य अंधकारमय होने से बच जाएगा। वास्तव में ऐसी कार्रवाई बहुत पहले हो जानी चाहिए थी। हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, बिहार समेत कई राज्यों में ऐसे कथित एजेंट मौजूद हैं, जिन्होंने विदेश में खुशहाल ज़िंदगी के सब्ज बाग दिखाकर बहुत लोगों को संकट में धकेल दिया। इसके तहत गांवों या छोटे शहरों के भोलेभाले नौजवानों के सामने विदेश में कमाई की ऐसी तस्वीर पेश की जाती है, जिससे वे अपना वतन छोड़कर जाने के लिए तैयार हो जाते हैं। उनसे कहा जाता है कि 'भारत में रहकर जितनी मेहनत कर रहे हैं, उतनी वहां करेंगे तो कई पीढ़ियों के ठाठ हो जाएंगे ... उधर तो मौज ही मौज है ... बैंक अकाउंट में जमकर डॉलर बरसेंगे तो गांव में कोठी बनते देर नहीं लगेगी ... पड़ोसी और रिश्तेदार आगे-पीछे घूमेंगे ... हमने फलां शख्स को भेजा था, वह आज करोड़ों में खेल रहा है!' ये लोग उन देशों से जुड़ीं नकारात्मक बातें बिल्कुल नहीं बताते। कई नौजवान जो वहां पहुंचने की कोशिश में परिवार की जमा-पूंजी गंवा चुके हैं, उन्हें इस बात को लेकर अंधेरे में रखा गया कि अवैध मार्गों से जाने में गंभीर जोखिम है। इस कोशिश में लोगों की मौत तक हो जाती है। हर साल अवैध मार्ग से यूरोप या अमेरिका जाने वाले कितने ही लोग या तो माफिया के हाथों मारे जाते हैं या उनकी नाव डूब जाती है।

इन नौजवानों को माफिया के लोग कदम-कदम पर ब्लैकमेल करते हैं। उन्हें 'आगे पहुंचाने' के लिए धन की मांग की जाती है। जब वे कहते हैं कि हमने तो पहले ही पूरी रकम चुका दी, तो यह कहकर धमकाया जाता है कि अगर धन नहीं देंगे तो किसी जंगल या सुनसान जगह पर छोड़ देंगे, उसके बाद कुछ भी हो सकता है। कई नौजवान अपने अनुभव साझा करते हुए बताते हैं कि उन्होंने खाने के लिए सब्जी-रोटी मांगी तो यह कहते हुए बुरी तरह पिटाई हुई कि जो खाना दे रहे हैं, वह चुपचाप खा लें। कुछ महिलाएं भी बेहतर ज़िंदगी की उम्मीद के साथ इन अवैध मार्गों से अमेरिका जाने की कोशिश करती हैं। उनके साथ माफिया के लोग ज्यादा बुरा बर्ताव करते हैं। चूंकि कई दिनों तक समूह में चलने से लोगों के बीच आत्मीयता का एक रिश्ता बन जाता है। जब कभी माफिया के लोग किसी की पिटाई करते हैं, अभद्र शब्द बोलते हुए गुस्सा जाहिर करते हैं तो समूह के बाकी लोग चाह कर भी उनका विरोध नहीं कर पाते। वे बेहद मजबूर होते हैं, इसलिए सबकुछ देखकर भी अनदेखा करते हैं। अगर कोई हमदर्दी जताता है तो माफिया के लोग उसकी पिटाई करते हैं। अपमान के घूंट पीने के बाद अगर आगे सही-सलामत पहुंच गए तो इसका यह मतलब नहीं है कि वहां ज़िंदगी आसान हो जाएगी। जो लोग गलत तरीके से अमेरिका पहुंचकर किसी तरह नौकरी हासिल कर लेते हैं, उन्हें वहां न्यूनतम मजदूरी से बहुत कम रकम दी जाती है। चूंकि नियोक्ता को पता होता है कि यह शख्स अवैध मार्ग से आया है, इसलिए कम मजदूरी की शिकायत करेगा तो खुद फंसेगा। भारत में 40 लाख, 60 लाख और एक करोड़ रुपए एजेंटों को थमाने के बाद गलत तरीके से अमेरिका आए लोगों की ज़िंदगी का बड़ा हिस्सा तो पिछला कर्ज चुकाने में चला जाता है। पकड़े जाने का खतरा बना रहता है सो अलग! विदेश में इस पीड़ा, अपमान और शोषण के बाद मिली 'चुपड़ी रोटी' से बहुत बेहतर है- अपने देश की 'दाल और सूखी रोटी'। ऐसे एजेंटों से दूर रहने में ही भलाई है। इनके 'सब्ज बाग' की सच्चाई जानें। अपनी कमाई न लुटाएं।

ट्वीटर टॉक

पर्यटन भवन में राजस्थान पर्यटन प्रोत्साहन नीति और फिल्म प्रोत्साहन नीति पर आयोजित बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की। इस अवसर पर राज्य सरकार द्वारा पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए उठाए जाने वाले कदमों और फिल्म नीति में संभावित सुधारों पर विचार-विमर्श किया गया।

-दीया कुमारी

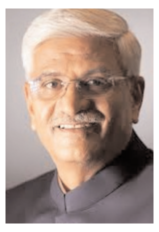

आज केंद्रीय संस्कृति मंत्रालय, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र और एडवांस्ड स्टडी इंस्टिट्यूट ऑफ़ एशिया के दो दिनी कॉन्फ्रेंस मानसून का नई दिल्ली में उद्घाटन किया।भारत ने विश्व को समृद्धि के साथ सांस्कृतिक ज्ञान भी दिया। आज भी हम विश्व मित्र की तरह अपनी भूमिका निभा रहे हैं।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

अयोध्या स्थित श्री राम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य पुजारी महंत श्री सत्येन्द्र दास जी का देहावसान अत्यंत दुःखद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि पुण्यात्मा को अपने चरणों में स्थान दें, तथा शोकाकुल अनुयायियों को संबल प्रदान करें।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

श्रम का पुरस्कार

बहुरूपिया राजा के दरबार में बोला, 'राजन, मुझे पांच रुपये का दान दे दीजिए।' राजा ने कहा, 'हम कलाकार को पुरस्कार देते हैं पर दान कभी नहीं।' 'मुझे अपनी कला दिखाने हेतु तीन दिन का समय दीजिए' -वह बोला। अगले ही दिन नगर में कोई सिद्ध साधु मौन मुद्रा में समाधि लगाकर बैठ गया। भीड़ उमड़ पड़ी। साधु के आगे फल, फूल, मेवा, मिठाई के ढेर लग गये।

पर साधु पत्थर के बुत की तरह अचल बैठा रहा। दूसरे रोज़ प्रधानमंत्री ने अशरफियों के थाल उसके आगे रखे, पर साधु स्थिर रहा। तीसरे दिन राजा व रानी ने खुद आकर संत के पांवों में स्वर्ण मुद्राएं रख दी, किंतु वह तब भी अटल रहा। चौथे दिन बहुरूपिये ने दरबार में आकर अपने स्वांग का बखान किया और अपने इनाम के पांच रुपये मांगे। राजा बोले, 'अरे मूर्ख, स्वर्ण मुद्राएं तेरे पांवों में पड़ी रहीं पर तूने पलक उठाकर नहीं देखा और अब तू केवल पांच रुपये चाहता है।' बहुरूपिया बोला, 'राजन, तब मैंने साधु के वेश की लाज रखी थी। अब मैं अपने श्रम का इनाम मांगता हूं।'

सामयिक

भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व करे

ललित गर्ग
मोबाइल : 9811051133

पेरिस में हुए दो दिवसीय एआई (कृत्रिम बुद्धिमत्ता) एक्शन समिट ने जहां दुनिया के लिए आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के महत्व को उजागर किया, वहीं यह भी साफ कर दिया कि इस मामले में होड़ के बावजूद सभी देशों का आपसी तालमेल बनाए रखते हुए सावधानी से आगे बढ़ना जरूरी है। एआई से बदलती दुनिया के चमत्कार वरदान से कम नहीं है, लेकिन इससे जुड़ी चुनौतियां एवं खतरे इसे अभिशाप में भी बदल सकते हैं। बहुत आवश्यक है कि इसके उपयोग के संदर्भ में कोई वैश्विक ढांचा एवं नियंत्रण का केन्द्र एवं नीति बने। क्योंकि एआई के दुरुपयोग के खतरे किसी से छिपे नहीं। अभी एआई का उपयोग अपने प्रारंभिक चरण में ही है, लेकिन उससे पैदा होने वाली कई चुनौतियों एवं खतरों ने सिर उठा लिया है। लेकिन इस नई तकनीक से जीवनशैली, शिक्षा, चिकित्सा, युद्ध, सेना, शासन-प्रशासन, चुनाव, व्यापार, विचार आदि में क्रांतिकारी बदलाव देखने को मिल रहे हैं। भारत एआई को लेकर बहुत उत्साहित है और दुनिया में एआई का सबसे बड़ा केन्द्र बनने को भी तैयार है। यही कारण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों के साथ इस शिखर बैठक की सह-अध्यक्षता की बल्कि अगली शिखर बैठक की मेजबानी करने की पेशकश भी करते हुए बता दिया कि भारत इस पहल को कितनी गंभीरता से लेता है।

भारत दुनिया की तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर होते हुए तकनीकी विकास की दृष्टि से भी सफलता के नये झंडे गाड रहा है। एआई को लेकर भारत की सोच सकारात्मक एवं विकासमूलक है इसीलिये प्रधानमंत्री मोदी ने यह सही कहा कि इस तकनीक में दुनिया को बदलने की ताकत है, लेकिन अमेरिका की कुछ बड़ी तकनीकी कंपनियों ने सूचना संसार में अपना एकाधिकार स्थापित कर लिया है। उनके एकाधिकार और उनकी मनमानी से निपटना विश्व के तमाम देशों के लिए मुश्किल हो रहा है। यदि इसी तरह का एकाधिकार एआई कंपनियों ने भी स्थापित कर लिया तो फिर समस्या गंभीर हो जाएगी। सबसे अधिक समस्या विकासशील और निर्धन देशों को होगी, जो पहले से ही चुनिंदा तकनीकी कंपनियों के वर्चस्व तले दबी हुई है। मोदी ने एआई तकनीक के संतुलित एवं विवेकसम्मत उपयोग एवं विकास की आवश्यकता को भी व्यक्त किया। क्योंकि यह उन्नत तकनीक बनाने वाली कुछ कंपनियां उसे अपने हिसाब से संचालित करती हुई भी दिख रही हैं। इस तकनीक का मनमाना इस्तेमाल न होने पाए, इसके लिए अंतरराष्ट्रीय समुदाय को प्रभावी कदम उठाने होंगे। यह एआई एक्शन समिट ऐसे समय हो रही है, जब चीनी कंपनी डीपसीक दुनिया को एक जबर्दस्त झटका दे चुकी है।

भारत एआई की चुनौतियों एवं खतरों को लेकर सतर्क है। क्योंकि एआई द्वारा प्रस्तुत चुनौतियाँ बहुआयामी हैं और लगातार विकसित हो रही हैं। उदाहरण के लिए डीपफेक, जो डिजिटल मीडिया हैं-वीडियो, ऑडियो और चित्र-जिन्हें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग करके संपादित और हेरफेर किया जाता है, हाइपर-रियलिस्टिक डिजिटल मिथ्याकरण को शामिल करते हैं। इसका संभावित रूप से प्रतिष्ठा को नुकसान पहुँचाने, सबूत गढ़ने और लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास को कम करने के लिए उपयोग किया जा सकता है। जबकि डीपफेक का इस्तेमाल चुनावों जैसे कुछ मामलों में किया गया है, उनका उपयोग विभिन्न अन्य क्षेत्रों में भी तेजी से देखा जा रहा है। डीपफेक के अलावा, एआई से जुड़े अन्य जोखिम भी हैं। इनमें गोपनीयता, पूर्वाग्रह, पारदर्शिता, जवाबदेही और दुर्भावनापूर्ण उद्देश्यों के लिए एआई के संभावित दुरुपयोग से संबंधित मुद्दे शामिल हैं। भारत सरकार इन मुद्दों को सलाह और विनियमों के माध्यम से नियोजित एवं नियंत्रित करने की कोशिश कर रही है जो पारदर्शिता, सामग्री मॉडरेशन, सहमति तंत्र और डीपफेक पहचान पर जोर देते हैं ताकि जिम्मेदार एआई तैनाती सुनिश्चित हो और चुनावी अखंडता की रक्षा हो सके। यह एक सतत प्रयास है और जैसे-जैसे आगे बढ़ेंगे, इन चुनौतियों से निपटने के लिए अधिक मजबूत तंत्र के विकास के साथ सक्षम होने की अपेक्षा रहेगी। एआई विकसित होता रहेगा, नये-नये करिश्माई एवं चमत्कारी आयाम उससे जुड़ते रहेंगे और हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि यह ऐसे तरीके से हो जो सभी के लिए सुरक्षित, नैतिक और लाभकारी हो। आवश्यक बुनियादी ढांचे, हार्डवेयर और क्लाउड कंप्यूटिंग क्षमताओं के विकास में सहायता के लिए निवेश महत्वपूर्ण है। सरकार और निजी क्षेत्र के बीच सहयोग से आवश्यक पूंजी जुटाई जा सकती है। यह संयुक्त प्रयास एआई नवाचार, आर्थिक विकास और रोजगार सृजन को बढ़ावा दे सकेगा और जिससे भारत एआई क्रांति में अग्रणी बन दुनिया का नेतृत्व कर सकेगा।

इसी पहलू को रेखांकित करती है यह पेरिस की तीसरी एआई एक्शन समिट, जिसमें दुनिया भर के 90 देशों और तमाम बड़ी कंपनियों के प्रतिनिधियों के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस हमारे भविष्य का अनिवार्य हिस्सा है, लेकिन किसी भी वजह से इसकी ग्रोथ को बेकाबू होने दिया गया तो उसके परिणाम खतरनाक साबित हो सकते हैं। भारत की भूमिका को खास बनाता है इसका असाधारण टैलंट पूल, इसके वे इंजिनियर और वैज्ञानिक जो नाम मात्र की लागत पर बड़े-बड़े अंतरिक्ष अभियान को अंजाम देते रहे हैं। हालांकि अभी तक इस मामले में भारत की पहल बहुत अच्छी नहीं कही जा सकती। बेहतर होगा कि केंद्र सरकार एक स्वतंत्र मंत्रालय बनाकर इस तकनीक को लेकर अपनी प्राथमिकता तय करे। इनोवेशन में भारत को हर जोखिम को उठाने के लिये स्वयं को सक्षम करना होगा। एआई का समुचित लाभ उठाने के लिए बहुत कुछ करने की जरूरत है। एआई के जरिये वे अनेक काम किए जा सकते हैं, जो अब तक मनुष्य करते रहे हैं, लेकिन यह ध्यान रहे कि उसमें मानवीय संवेदनाएं नहीं होतीं और वह उपलब्ध डाटा के आधार पर ही किसी नतीजे पर पहुंचती है। अब यदि डाटा ही सटीक न हो तो नतीजे भी नुकसान पैदा करने वाले हो सकते हैं। इस पर हैरानी नहीं कि अति उन्नत एआई को मानव सभ्यता के लिए संकट के रूप में भी देखा जा रहा है। इस आशंका को निर्मूल साबित करने वाले उपाय करना समय की मांग हैं और उन पर ज्यादा फोकस करना होगा।

इस तरह की तकनीक तभी लाभकारी सिद्ध होती है, जब उसका उपयोग समझदारी, नैतिकता एवं विवेकपूर्ण होता है। ज्यादा जरूरी है उसके दुरुपयोग की आशंकाओं पर प्रभावी ढंग से लगाम लगाने की स्थितियों एवं तंत्र को विकसित करने की। एआई के मामले में ऐसा इसलिए अनिवार्य रूप से करना होगा, क्योंकि यह मानव जीवन को कहीं गहराई से प्रभावित करने की क्षमता रखती है। एआई एक नई तकनीक है और बहुत से लोग उसके प्रयोग के तौर-तरीकों से अपरिचित हैं। इसीलिए यह आशंका उभरी है कि उसके कारण रोजगार का संकट पैदा हो सकता है। भारत में विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न नौकरियों पर एआई के प्रभाव को समझने के लिए एक व्यापक, डेटा-समर्थित अध्ययन आवश्यक है। आईएमएफ की एक रिपोर्ट ने अनुमान लगाया है कि एआई दुनिया भर में लगभग 40 प्रतिशत नौकरियों को प्रभावित करेगा, कुछ को प्रतिस्थापित करेगा और दूसरों को पूरक करेगा।

यह भी ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एआई अपने उपयोग के विकास के साथ नए प्रकार की नौकरियां भी पैदा करेगा। एआई पहले से ही विनिर्माण से लेकर बैंकिंग, स्वास्थ्य सेवा, कृषि और शिक्षा तक सभी क्षेत्रों में बदलाव ला रहा है। उदाहरण के लिए, शिक्षा क्षेत्र में, एआई व्यक्तिगत पाठ्यक्रम, परीक्षण, सीखने के तरीके और वितरण को सक्षम करके भारत के सीखने के परिदृश्य को बदल रहा है। निःसंदेह यह नई तकनीक अवसर बन रही है, तकनीकी विकास का सूरज बनकर नयी समाज संरचना को बल दे रही है। यह संभावनाभरा है कि पेरिस शिखर सम्मेलन में एआई के क्षेत्र में भारत और प्रमुख देशों के बीच सामंजस्य बढ़ने के संकेत मिले, लेकिन बात तब बनेगी, जब यह मंच एआई के नियमन एवं नियोजित विकास के लिए सहमति कायम करने की बुनियाद बने। एआई की तीव्र प्रगति और व्यापक अनुप्रयोग को देखते हुए, भारत के लिए अपना स्वयं का एआई सुरक्षा संस्थान स्थापित करना अपेक्षित है। ऐसा संस्थान सुरक्षित और नैतिक एआई प्रथाओं को विकसित करने, अनुसंधान करने और एआई के उपयोग में सुरक्षा की संस्कृति को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर सकता है।

मंथन

हास्य के नाम पर मर्यादा लांघने का लाइसेंस नहीं

नृपेन्द्र अभिषेक नृप

भारत में हास्य और व्यंग्य की परंपरा सदियों पुरानी है। यह न केवल मनोरंजन का साधन रहा है, बल्कि समाज में व्याप्त विकृतियों और विसंगतियों पर तीखा प्रहार करने का एक सशक्त माध्यम भी रहा है। हिंदी साहित्य में भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, हरिशंकर परसाई, शरद जोशी और काका हाथरसी जैसे लेखकों ने हास्य-व्यंग्य की परंपरा को समृद्ध किया, तो मंचीय कवियों में सुरेंद्र शर्मा और शैल चतुर्वेदी जैसे नाम लोकप्रिय हुए। इसके बाद फिल्म और टेलीविजन के दौर में जॉनी वॉकर, महमूद, राजू श्रीवास्तव, सुनील ग्रोवर और कपिल शर्मा जैसे कलाकारों ने हास्य को जन-जन तक पहुँचाया। लेकिन बीते कुछ वर्षों में, विशेषकर सोशल मीडिया और स्टैंड-अप कॉमेडी के उभार के साथ, एक नई प्रवृत्ति सामने आई है-हास्य के नाम पर बढ़ती हुई अश्लीलता। रणवीर इलाहाबादी जैसे कुछ स्टैंड-अप कॉमेडियन का विवाद इस प्रवृत्ति का सबसे ताज़ा उदाहरण है।

हास्य का उद्देश्य केवल हँसी-मज़ाक करना नहीं होता, बल्कि वह समाज में तनाव कम करने, लोगों को जोड़ने और मानवीय संवेदनाओं को हल्का करने का एक महत्वपूर्ण साधन भी होता है। भारतीय हास्य परंपरा हमेशा सभ्यता और शालीनता के दायरे में रही है। चाहे वह हरिशंकर परसाई की व्यंग्यात्मक शैली हो या राजू श्रीवास्तव के सामाजिक मुद्दों पर आधारित चुटकुले, इनमें कहीं भी अश्लीलता, द्विअर्थी संवाद या अभद्र भाषा का प्रयोग नहीं था। इसके बजाय, ये हास्य कलाकार समाज की कमजोरियों को इस तरह उजागर करते थे कि लोगों को अपनी ही कमियों पर हँसने की प्रेरणा मिलती थी। लेकिन आज के दौर में कुछ स्टैंड-अप कॉमेडियन हास्य को सिर्फ एक भौंडे मज़ाक में बदल रहे हैं, जिसमें मर्यादा, शिष्टता और नैतिकता को दरकिनार कर दिया गया है। पिछले कुछ वर्षों में स्टैंड-अप कॉमेडी का एक नया स्वरूप उभरा है, जिसमें कलाकार मंच पर खड़े होकर अपनी व्यक्तिगत ज़िंदगी, सेक्स, रिश्तों और राजनीति पर तीखे कटाक्ष करते हैं। हालांकि यह शैली पश्चिमी देशों में अधिक प्रचलित रही है, लेकिन भारत में भी इसे तेजी से अपनाया जाने लगा है। कुछ स्टैंड-अप कॉमेडियन, दर्शकों को हँसाने के लिए अपशब्दों, गालियों और सेक्सुअल कंटेंट का सहारा लेने लगे हैं। वे मानते हैं कि जब तक वे चौंकाने वाली बातें नहीं कहेंगे, तब तक लोग हँसेंगे नहीं। रणवीर इलाहाबादी का मामला इसी कड़ी में जुड़ा है, जहाँ उन पर लोगों के भावनाओं को ठेस पहुँचाने और अभद्र भाषा के प्रयोग के आरोप लगे हैं। यह विवाद इस बात को दर्शाता है कि समाज में एक बड़ा वर्ग ऐसा भी है जो इस तरह की कॉमेडी को अनुचित मानता है। भारत एक सांस्कृतिक रूप से संवेदनशील देश है। यहाँ परिवार के साथ बैठकर मनोरंजन का आनंद लेने की परंपरा रही है। टेलीविजन पर आने वाले हास्य शो, जैसे द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज या कॉमेडी नाइट्स विद कपिल, भले ही कभी-कभी व्यंग्यात्मक होते हैं, लेकिन उनमें परिवार के साथ बैठकर देखने लायक सामग्री होती थी। हालाँकि, कुछ ऑनलाइन स्टैंड-अप कॉमेडियन अपने शो में इस सीमा को पार कर जाते हैं और सीधे-सीधे गाली-गलौच व यौन सामग्री परोसने लगते हैं। पश्चिमी देशों में यह प्रथा आम हो सकती है, लेकिन भारतीय समाज में इसे स्वीकार करना आसान नहीं है। यहाँ आज भी अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का अर्थ सामाजिक मर्यादाओं के भीतर ही देखा जाता है। जब हास्य की सीमा पार करके वह अश्लीलता और अभद्रता में बदल जाता है, तो यह समाज में असहजता और असहमति को जन्म देता है।

आजकल डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और सोशल मीडिया ने मनोरंजन के नए आयाम खोल दिए हैं। यूट्यूब, इंस्टाग्राम, और ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट क्रिएटर्स को सेंसरशिप का डर नहीं रहता, इसलिए वे खुलकर बोलते हैं। उन्हें पता है कि विवादित कंटेंट से उनकी लोकप्रियता बढ़ेगी और उनके वीडियो अधिक वायरल होंगे। ऐसे में, कई कॉमेडियन यह तर्क देते हैं कि उनकी कॉमेडी एक तरह की सत्य बोलने की कला है, लेकिन वास्तव में वे केवल सनसनीखेज और उत्तेजक सामग्री परोसकर अपनी लोकप्रियता बढ़ाने की कोशिश करते हैं। कुछ कॉमेडियन तर्क देते हैं कि जब बॉलीवुड की फिल्मों में द्विअर्थी संवाद और अश्लीलता को जगह दी जाती है, तो स्टैंड-अप कॉमेडी को क्यों रोका जाए? लेकिन यह तर्क उचित नहीं है, क्योंकि किसी भी माध्यम में यदि समाज की नैतिकता और मर्यादा को ताक पर रखकर मनोरंजन किया जाएगा, तो यह समाज के लिए दीर्घकालिक रूप से हानिकारक होगा।

भारतीय समाज में हास्य की एक समृद्ध परंपरा रही है, जिसे बनाए रखना आवश्यक है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का यह अर्थ नहीं कि समाज में असभ्यता को बढ़ावा दिया जाए। कला और अभिव्यक्ति का कार्य समाज को जोड़ना है, न कि उसे बांटना या भड़काना। कॉमेडी को भी इस बात का ध्यान रखना होगा कि वह मनोरंजन के नाम पर नैतिकता और सभ्यता की सीमा न लांघे। सरकार और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स को भी इस दिशा में कदम उठाने होंगे। यदि फिल्मों और टीवी कार्यक्रमों के लिए सेंसर बोर्ड हो सकता है, तो स्टैंड-अप कॉमेडी और ऑनलाइन कंटेंट के लिए भी कुछ दिशा-निर्देश बनाए जाने चाहिए, ताकि हास्य अभद्रता की सीमा को पार न करे। हास्य का उद्देश्य केवल हँसाना नहीं, बल्कि समाज में सकारात्मकता और जागरूकता लाना भी होता है। लेकिन जब यह हास्य अश्लीलता और अभद्रता में बदल जाता है, तो यह अपना मूल उद्देश्य खो देता है। भारत में हास्य को हमेशा एक उच्च स्थान प्राप्त रहा है, लेकिन वर्तमान में कुछ स्टैंड-अप कॉमेडियन इसे गंदे चुटकुलों, गालियों और असभ्य बातों का माध्यम बना रहे हैं। यह प्रवृत्ति समाज के नैतिक मूल्यों को नुकसान पहुँचा सकती है। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और मनोरंजन के अधिकार का सम्मान करते हुए भी, यह आवश्यक है कि हास्य की मर्यादाओं का पालन किया जाए। यदि कॉमेडी समाज को जोड़ने और स्वस्थ मनोरंजन देने का काम करे, तो वह वास्तव में अपने उद्देश्य को पूरा करेगी। लेकिन यदि यह केवल विवाद और सनसनीखेजता पर आधारित हो, तो यह न केवल हास्य की गरिमा को ठेस पहुँचाएगी, बल्कि समाज में एक नकारात्मक प्रभाव भी डालेगी। इसलिए, हास्य को हमेशा शालीनता और गरिमा के साथ प्रस्तुत किया जाना चाहिए, ताकि यह समाज के लिए सकारात्मक ऊर्जा का स्रोत बना रहे।

नजरिया

दिल्ली के बाद बिहार में चुनावी घमासान की तैयारी

बाल मुकुन्द ओझा
मोबाइल : 9414441218

आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविन्द केजरीवाल को सत्ताच्युत करने के बाद अब बिहार में लालू यादव से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी दो दो हाथ करेंगे। बिहार में चुनावी रणभेरी बजने वाली है। दिल्ली के बाद अब बिहार की बारी है जहां इसी साल विधानसभा के चुनाव होंगे। राजनीतिक पार्टियां अभी से ही तैयारी में जुट गई हैं। बिहार के दो प्रमुख चुनावी मोर्चे महागठबंधन और एनडीए ने सत्ता पर काबिज होने के लिए किलेबंदी शुरू कर दी है। नीतीश सरकार का कार्यकाल 23 नवंबर 2020 से शुरू हुआ था। वर्तमान सरकार का कार्यकाल इस साल यानी 2025 में 22 नवंबर तक है। जाहिर है कि इससे पहले चुनाव होंगे। इसके अलावा चुनाव रणनीतिकार प्रशांत किशोर की पार्टी, जन सुराज बिहार की सभी 243 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बिहार की सियासत की धुरी मुख्यमंत्री नीतीश कुमार है जो कभी एनडीए से छटक कर महागठबंधन में चले जाते हैं तो कभी घरवापसी कर लेते हैं। हाल फिलहाल वे एनडीए के साथ है और अब मरते दम तक एनडीए में रहने की घोषणा की है। एनडीए ने अपने नफा नुक्सान को देखते हुए स्पष्ट तौर पर कहना है कि वे नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेंगे। छऊ- में मुख्य रूप से बीजेपी, जनता दल (यूनाइटेड), लोजपा (रामविलास), हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा (एचएएम) और राष्ट्रीय लोक मोर्चा (आरएलपी) शामिल है। एक दो और छोटी पार्टियों ने भी एनडीए के साथ रहने की घोषणा कर दी है। बिहार में एनडीए का मुकाबला महागठबंधन से होगा जिसका नेतृत्व लालू और तेजस्वी की बाप बेटे की जोड़ी के हाथ में है। इस गठजोड़ में कांग्रेस सहित वामपंथी पार्टियां शामिल है। लालू ने अपने बेटे तेजस्वी को बिहार का मुख्यमंत्री बनाने की सार्वजनिक घोषणा कर रखी है। बिहार में येन केन प्रकारेण सत्ता हासिल करने के लिए लालू यादव की छटपटाहट बस देखते ही बनती है। राजद अध्यक्ष लालू यादव अब बूढ़े हो चुके है और चाहते है उनकी विरासत के साथ बिहार की राजगद्दी बेटे तेजस्वी को मिले।

बिहार की सियासत वाकई बड़ी अजब गजब है। नीतीश सब के लिए अपरिहार्य हो गए है। बिहार में दो प्रमुख सियासी खेमे हैं। एक महागठबंधन तो दूसरा राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन। दोनों ही खेमों में इस बात को लेकर हमेशा रस्साकशी भी चलती रहती है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उनके खेमे में आ जाएं और बिहार की कमान संभालें। बिहार में सियासी समीकरण कुछ ऐसा है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जिस पाले में होते हैं उसी की सरकार बनती है। आश्चर्य की बात तो यह भी है की दोनों खेमों की प्रमुख पार्टियां भाजपा और राजद है मगर सीएम की कुर्सी हर बार नीतीश के पास रहती है जबकि उनकी पार्टी जेडी यू वहां सीटों के लिहाज़ से तीसरे नंबर की पार्टी है।

सियासतदान यह भली भांति जानते है कि नीतीश जिधर होंगे पलड़ा उनका ही भारी होगा, क्योंकि उनके पास कुर्मी कोयरी वोट लामबंध है। भाजपा अपना सीएम बनाने का हर प्रयास कर रही है मगर नीतीश की सियासत से पार पाना उनके बस की बात नहीं है और अन्तोगत्वा भाजपा नीतीश के सामने सरेंडर हो गई और विधानसभा चुनाव उनके नेतृत्व में लड़ने को तैयार हो गई है। नीतीश ने भी लालू को टक्का सा जवाब दे देकर स्पष्ट कर दिया है वे अब कहीं नहीं जायेंगे और जहां है वहीं रहेंगे। इसी बीच एक नया घटना क्रम नीतीश के बेटे निशांत का घटित हुआ है। नीतीश का बेटा राजनीति से दूर है। इसीलिए उनपर कभी परिवारवाद का आरोप कभी नहीं लगा। इंजीनियर निशांत ने अपने दादा की जयंती के एक कार्यक्रम में अगले चुनाव में अपने पिता को जिताने की अपील कर लोगों को चौंका दिया। यह तो भविष्य ही बताएगा कि निशांत आगे जाकर क्या कदम उठाने वाले है।

यह सर्व विदित है बिहार की राजनीति जातीय वोटों में बंटी हुई है। इस समय जातीय सियासत में एनडीए का पलड़ा भारी है। केवल यादव और मुस्लिम वोटों के भरोसे बिहार में जीत पाना राजद के लिए यह संभव नहीं है। यह बात लालू अच्छी तरह जानते है इसीलिए बार बार नीतीश को अपने पाले में लाने का हर संभव प्रयास कर रहे है। लालू दलितों के वोट भी हासिल करने के लिए साम दाम दंड भेद से जुटे है। इसी उद्देश्य की प्राप्ति के लिए वे पशुपति पारस से अपनी पींगे बढ़ा रहे है।

बिहार में जातीय जनगणना की रिपोर्ट के मुताबिक सामान्य वर्ग के लोगों की आबादी 15 प्रतिशत है। पिछड़ा वर्ग की आबादी 27 प्रतिशत से ज्यादा है, जबकि अनुसूचित जाति की आबादी करीब 20 फीसदी है। प्रमुख जातियों में यादव 14.26 प्रतिशत, रविदास 5.25 प्रतिशत, दुसाध 5.31 प्रतिशत, कोइरी 4.21 प्रतिशत, ब्राह्मण 3.67 प्रतिशत, राजपूत 3.45 प्रतिशत, मुसहर 3.08 प्रतिशत, भूमिहार 2.89 प्रतिशत, कुरमी 2.87 प्रतिशत, तेली 2.81, बनिया 2.31 प्रतिशत और कानू 2.21 प्रतिशत है। अन्य जातीय कमोवेश दो प्रतिशत से भी कम है। समग्र रूप से बिहार में 81.99 प्रतिशत यानी लगभग 82 प्रतिशत हिंदू हैं। इस्लाम धर्म के मानने वालों की संख्या 17.7 प्रतिशत है।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

पवित्र स्नान

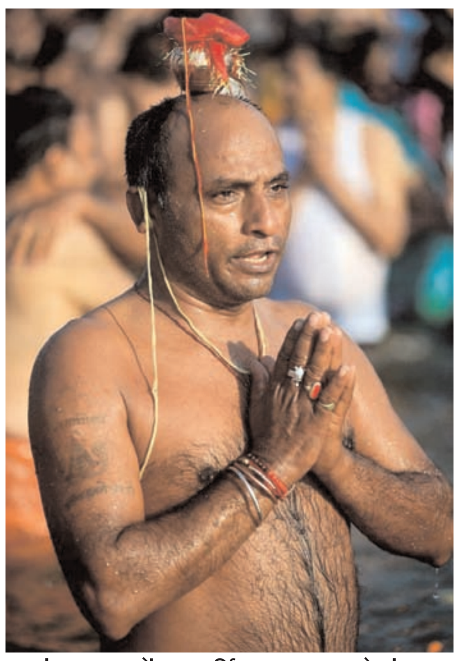

महाकुंभ 2025 में माघ पूर्णिमा पर बुधवार को संगम तट पर डुबकी लगाने पहुंचे करोड़ों श्रद्धालुओं पर योगी सरकार ने हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा की परंपरा को जारी रखा। सभी घाटों पर स्नान कर रहे श्रद्धालुओं, साधु-संतों और कल्पवासियों पर फूलों की बारिश की गई। पुष्प वर्षा की शुरुआत सुबह 8 बजे से ही हो गई, जब बड़ी संख्या में श्रद्धालु विभिन्न तटों पर स्नान कर रहे थे। गुलाब की पंखुड़ियों की बारिश देख संगम तट पर मौजूद संतों और श्रद्धालुओं ने अभिभूत होकर जय श्री राम और हर-हर महादेव के नारे लगाए। अपनी धार्मिक आस्था को सम्मान दिए जाने पर श्रद्धालुओं ने योगी सरकार की प्रशंसा की।

बीएचईएल को कोराडी थर्मल पावर स्टेशन के लिए ऑर्डर मिला

नई दिल्ली/दक्षिण भारत। बीएचईएल ने महाराष्ट्र के नागपुर जिले में 2660 मेगावाट कोराडी सुपरक्रिटिकल थर्मल पावर स्टेशन (यूनिट 11 और 12) की स्थापना के लिए बड़ा ऑर्डर हासिल किया है। यह महाजेनको द्वारा बीएचईएल को दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, इस परियोजना में बीएचईएल के कार्यक्षेत्र में मुख्य संयंत्र पैकेज और संबंधित सहायक उपकरणों के साथ सभी जरूरी विद्युत, सिविल और संरचनात्मक कार्यों के डिजाइन, इंजीनियरिंग, विनिर्माण, आपूर्ति, इरेक्शन, परीक्षण और कमीशनिंग शामिल है। कंपनी के कार्यक्षेत्र में उन्नत, उच्च-दक्षता वाले उत्सर्जन नियंत्रण उपकरणों की आपूर्ति भी शामिल है। बीएचईएल निर्मित सेट महाराष्ट्र में महाजेनको की कुल स्थापित कोयला-आधारित उत्पादन क्षमता में 75 प्रतिशत से ज्यादा का योगदान देते हैं। कंपनी वर्तमान में महाजेनको की 660 मेगावाट भुसावल परियोजना को भी निष्पादित कर रही है।

मोदी, मैक्रों के साथ नाभिकीय परिसर आईटीईआर को देखने पहुंचे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने बुधवार को फ्रांस के कैडराचे में स्थित अंतरराष्ट्रीय ताप-नाभिकीय प्रायोगिक रिएक्टर (आईटीईआर) परिसर का दौरा किया। आईटीईआर की गिनती दुनिया की सबसे महत्वाकांक्षी नाभिकीय संलयन ऊर्जा परियोजनाओं में होती है। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कहा कि इस नाभिकीय परिसर का किसी भी राष्ट्र प्रमुख या सरकार के प्रमुख का यह पहला दौरा था।

दोनों नेताओं का आईटीईआर के महानिदेशक ने स्वागत किया। पीएमओ ने एक बयान में कहा, संयंत्र की यात्रा के दौरान दोनों नेताओं ने आईटीईआर की प्रगति की प्रशंसा की। उन्होंने परियोजना पर काम कर रहे इंजीनियरों एवं वैज्ञानिकों के समर्पण की भी तारीफ की। बयान के मुताबिक, भारत पिछले दो दशकों से इस परियोजना में योगदान देने वाले सात आईटीईआर सदस्यों में से एक है। लगभग 200 भारतीय वैज्ञानिक और सहयोगी, साथ ही एलएंडटी, आईनॉक्स इंडिया, टीसीएस, टीसीई, एचसीएल टेक्नोलॉजीज जैसी कंपनियां भी इसका हिस्सा हैं। आईटीईआर के सदस्यों में चीन, यूरोपीय संघ, भारत, जापान, कोरिया, रूस और अमेरिका शामिल हैं।

फिल्म 'पटना से पाकिस्तान 2' की शूटिंग शुरू

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' की आने वाली फिल्म पटना से पाकिस्तान 2 की शूटिंग शुरू हो गयी है। श्रेयस फिल्म्स प्रा. लि. के बैनर तले बन रही निर्माता प्रेम राय की फिल्म पटना से पाकिस्तान 2 में निरहुआ मुख्य भूमिका में नजर आयेंगे,जिसका भव्य मुहूर्त आज लखनऊ में संपन्न हुआ। इसके साथ ही फिल्म की शूटिंग भी प्रारंभ हो गयी। निर्माता प्रेम राय ने बताया कि पटना से पाकिस्तान की अपार सफलता के बाद, अब इसका दूसरा भाग पटना से पाकिस्तान 2 दर्शकों के लिए तैयार किया जा रहा है, जो संभवतः जून तक आएगी। इस फिल्म में भी मुख्य भूमिका में दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' नजर आएंगे। उन्होंने कहा कि यूपी में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार से फिल्म मेकिंग में काफी सपोर्ट मिलता है। हमें भी कई बार फिल्म के लिए सब्सिडी मिली है, जबकि हमने इस फिल्म के पहले भाग की शूटिंग गुजरात में की थी। उन्होंने कहा कि यह फिल्म भी पहले पार्ट की तरह बेहद खुबसूरत होने वाली है।

वहीं फिल्म को लेकर निरहुआ ने कहा कि पटना से पाकिस्तान की अभूतपूर्व सफलता के बाद दर्शकों की डिमांड थी कि इसका दूसरा भाग लेकर आएं। उनकी मांग पूरी हो रही है और निर्माता प्रेम राय एवं निर्देशक अनंजय रघुराज इस फिल्म को लेकर आ रहे हैं, जो बड़ी एक्शन फिल्म होने वाली है।

उन्होंने कहा कि पटना से पाकिस्तान की जर्नी को आगे बढाने वाली इस फिल्म की कहानी है। इसके लिए दर्शक बेताब हैं। फिल्म पटना से पाकिस्तान 2 में निरहुआ के साथ रवि किशन, पवन सिंह, सेजल साहू, श्वेता महारा, मीर सरवर, सुशील सिंह, संजय पांडेय, विकास मेहता और मनोज टाइगर मुख्य भूमिका में होंगे। इस फिल्म की कहानी राकेश त्रिपाठी ने लिखी है।

क्या एलन मस्क अमेरिकी सरकार पर नियंत्रण हासिल कर रहे हैं? हमें क्यों चिंतित होना चाहिए?

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सिडनी। अमेरिका के कई लोग इस बात से भयभीत हैं कि दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति एलन मस्क को हाल के हफ्तों में अमेरिकी सरकार के विभिन्न कार्यालयों में 'हस्तक्षेप' की अनुमति दी गई है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन तथा भरोसेमंद लोगों की एक छोटी सी टीम के सहयोग से मस्क ने अमेरिका की विशाल संघीय नौकरशाही पर सफलतापूर्वक नियंत्रण हासिल कर लिया है। मंगलवार को ट्रंप ने एक शासकीय आदेश पर हस्ताक्षर किए, जिससे मस्क को और भी अधिक शक्ति मिल गई। इसके तहत संघीय एजेंसियों को अपने कर्मचारियों की संख्या में कटौती करने और नई नियुक्तियों को प्रतिबंधित करने में मस्क की अगुवाई वाले 'सरकारी दक्षता विभाग' (जिसे डीओजीई के नाम से जाना जाता है) के साथ सहयोग करना होगा।

ट्रंप प्रशासन में एक विशेष सरकारी कर्मचारी के रूप में शामिल होने के बाद मीडिया को दी गई अपनी पहली टिप्पणी में, मस्क ने इस आलोचना का भी जवाब दिया कि वह अमेरिकी सरकार पर जबरन नियंत्रण हासिल कर रहे हैं।

लोगों ने प्रमुख सरकारी सुधार के लिए मतदान किया था और यही परिणाम उन्हें मिलने वाला है। क्या मस्क के कदम सरकार पर कब्जा या तख्तापलट जैसी हैं? मेरा तर्क है कि यह देश पर कब्जा करने का एक रूप है। आइये इसके मायने समझते हैं। यह तख्तापलट या स्व-तख्तापलट क्यों नहीं है, क्योंकि सरकारी दक्षता और उत्पादकता को अधिकतम करने के बहाने, डीओजीई ने काफी शक्ति अर्जित की है।

इसने लगभग सभी सरकारी भुगतानों के लिए जिम्मेदार विशाल प्रणाली में घुसपैठ कर संवेदनशील डेटाबेस और निजी मेडिकल रिकॉर्ड के मामले का उल्लंघन किया है। इसने कई संघीय एजेंसियों की कंप्यूटर प्रणाली तक पहुंच प्राप्त कर ली है।

वाशिंगटन में कई संघीय कानूनों का स्पष्ट उल्लंघन करते हुए मस्क के तूफानी अभियान ने न केवल भ्रम की स्थिति पैदा की है, बल्कि इसे समझाना भी मुश्किल है। कुछ इतिहासकारों और टिप्पणीकारों द्वारा समर्थित एक लोकप्रिय तर्क यह है कि मस्क की कार्रवाई तख्तापलट के बराबर है। उनका तर्क है कि यह सत्ता के भौतिक केंद्रों पर कब्जा करने के पारंपरिक अर्थ में तख्तापलट नहीं है। बल्कि, यह लोकतांत्रिक प्रथाओं को खत्म करने और मानवाधिकारों का उल्लंघन करने की कोशिश कर रहे एक अनिर्वाचित समूह द्वारा डिजिटल बुनियादी ढांचे पर कब्जा करना है।

मृणाल ठाकुर ने देखी कंगना रनौत की इमरजेंसी, कहा- हर भारतीय को देखनी चाहिए ये फिल्म

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड एक्ट्रेस मृणाल ठाकुर ने हाल ही में अपने पिता के साथ कंगना रनौत की फिल्म इमरजेंसी देखी। उन्होंने फिल्म देखने के बाद इंस्टाग्राम पर अपना एक्सपीरियंस शेयर किया। मृणाल ठाकुर ने फिल्म की कुछ तस्वीरें साझा करते हुए कहा, मैंने अभी-अभी अपने पिता के साथ थिएटर में फिल्म इमरजेंसी देखी और मैं अभी भी उस अनुभव से उबर नहीं पाई हूं। कंगना रनौत की बहुत बड़ी प्रशंसक होने के नाते मैं इस फिल्म को बड़े पर्दे पर देखने का बेसब्री से इंतजार कर रही थी और यह एक मास्टरपीस है। कंगना रनौत की तारीफ करते हुए अभिनेत्री ने लिखा, गैंगस्टर से लेकर क्वीन, तनु वेड्स मनु, मणिकर्णिका, थलाइवी और अब इमरजेंसी तक कंगना ने लगातार अपनी सीमाओं को तोड़ा है और अपनी अविश्वसनीय प्रतिभा से मुझे प्रेरित किया है। यह फिल्म भी अपवाद नहीं है, कैमरा वर्क, वेशभूषा और अभिनय सभी बेहतरीन हैं।

उन्होंने आगे कहा, कंगना आपने एक निर्देशक के रूप में खुद को आगे बढ़ाया है। मेरा पसंदीदा सीन, दूरबीन के साथ सेना अधिकारी का मार्मिक क्षण, नदी के किनारे के दूसरी तरफ जाने और भावना को बिल्कुल सही तरीके से कैप्चर करना। पटकथा, संवाद, संगीत और संपादन सभी सहज और आकर्षक हैं। मुझे श्रेयस, महिमा, अनुपम सर और सतीश, मिलिंद सर को उनकी भूमिकाओं में चमकते हुए देखना, मुझे बहुत पसंद आया। हर अभिनेता ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। मृणाल ने कहा कि कंगना आप सिर्फ एक एक्ट्रेस नहीं हैं, बल्कि आप एक सच्ची कलाकार और प्रेरणा हैं। चुनौतीपूर्ण भूमिकाएं निभाने का आपका साहस सराहनीय है और कला के प्रति आपका समर्पण हर एक फ्रेम में स्पष्ट दिखाई देता है।

मृणाल ठाकुर ने सभी से फिल्म देखने की अपील की। उन्होंने कहा, अगर आपने अभी तक इमरजेंसी नहीं देखी है तो कृपया खुद पर एक एहसान करें और जल्दी से इसे सिनेमाघरों में देखें। यह हर भारतीय को देखना चाहिए और मैं गारंटी देती हूं कि आप प्रेरित और थोड़े भावुक भी होंगे।

फिल्म 'दामाद जी किराए पर हैं 2' का ट्रेलर रिलीज हुआ

मुंबई/एजेन्सी

भोजपुरी सिनेमा के सुपरस्टार यश कुमार के जन्मदिन के खास मौके पर उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म दामाद जी किराए पर हैं 2 का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है। फिल्म दामाद जी किराए पर हैं 2 का ट्रेलर यश कुमार एंटरटेनमेंट के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है। फिल्म दामाद जी किराए पर हैं 2 में यश कुमार के साथ सपना चौहान नजर आ रही हैं, जो एक सिंगल मदर की भूमिका में हैं। इस फिल्म का निर्माण यश कुमार एंटरटेनमेंट और निधी मिश्रा द्वारा किया गया है, जबकि निर्देशन की कमान अजय श्रीवास्तव ने संभाली है। फिल्म की कहानी, पटकथा और संवाद राकेश त्रिपाठी ने लिखे हैं। ट्रेलर में मां की ममता, सामाजिक संवेदनशीलता, एक्शन, कॉमेडी और मनोरंजक गानों का मिश्रण देखने को मिला, जिससे यह फिल्म पारिवारिक दर्शकों के लिए बेहद खास होने वाली है।

यश कुमार ने अपने जन्मदिन पर ट्रेलर रिलीज होने को लेकर खुशी जताई और कहा, यह फिल्म मेरे दिल के बहुत करीब है। हमने इसमें एक अनोखी और दिल को छू लेने वाली कहानी प्रस्तुत की है। मुझे पूरी उम्मीद है कि दर्शकों को यह फिल्म बेहद पसंद आएगी। निर्देशक अजय श्रीवास्तव ने फिल्म के ट्रेलर रिलीज़ के बाद कहा कि भोजपुरी फिल्म इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बना चुके यश कुमार की यह फिल्म न केवल मनोरंजन देगी, बल्कि भावनात्मक और सामाजिक संदेश भी देगी। दामाद जी किराए पर हैं 2 जल्द ही सिनेमाघरों में रिलीज होगी, और दर्शकों को इससे काफी उम्मीदें हैं।

सपना चौहान ने अपनी भूमिका को लेकर कहा कि इस फिल्म में मेरा किरदार बेहद खास और चुनौतीपूर्ण है। मैंने एक सिंगल मदर की भूमिका निभाई है, जो अपने बच्चे के लिए समाज की कई चुनौतियों का सामना करती है। यह किरदार मेरे दिल के बहुत करीब है, क्योंकि इसमें मां की ममता, संघर्ष और आत्मसम्मान को बखूबी दर्शाया गया है। उन्होंने कहा कि मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को हमारी यह फिल्म बेहद पसंद आएगी और वे इससे जुड़ाव महसूस करेंगे। गौरतलब है कि फिल्म दामाद जी किराए पर हैं 2 में यश कुमार और सपना चौहान के साथ अमित शुक्ला, राकेश बाबू, वियाना दादवानी, युगान्त पांडेय, गुड्डू पटेल, सुजीत तिवारी, रागनी दुबे, पूनम वर्मा, सोनू दादवानी, ज्योति केसकर, मंतोष सिंह, अकांछा यादव, नीलू यादव, सुकू चौहान, सूरज पटेल, पंकज मेहता, ममता वर्मा मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के संगीतकार साजन मिश्रा एवं गीतकार राजेश शर्मा, शेखर मधुर हैं। गाने सुगम सिंह, ज्योति शर्मा, काजल राज ने गाए हैं। छायांकन समीर जहांगीर सैयद का है और संपादन गुरजेंट सिंह ने किया है। नृत्य निर्देशन प्रवीण शेलार, प्रचारक रंजन सिन्हा और प्रोमो डिज़ाइनर एम फ़ैसल रियाज़ हैं।

मैं गणित में कमजोर थी: दीपिका पादुकोण

नई दिल्ली/भाषा

बॉलीवुड अभिनेत्री दीपिका पादुकोण ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में अपने बचपन की शरारतों और गणित में कमजोर होने की बात साझा की। प्रधानमंत्री मोदी ने इस कार्यक्रम की एक झलक अपने आधिकारिक 'एक्स' अकाउंट पर साझा की, जिसमें दीपिका अपने छात्र दिनों के बारे में बात कर रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने लिखा, कार्यक्रम में मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण पर चर्चा सबसे महत्वपूर्ण विषयों में से एक है। इसलिए, इस वर्ष 'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम में इस विषय को समर्पित एक विशेष एपिसोड होगा, जो 12 फरवरी को प्रसारित होगा। इस एपिसोड में दीपिका पादुकोण अपने विचार साझा करेंगी। अभिनेत्री दीपिका पादुकोण के वर्ष 2014 में अवसादग्रस्त होने का पता चला था। बोर्ड परीक्षा में शामिल होने वाले छात्रों से प्रधानमंत्री की बातचीत के वार्षिक कार्यक्रम में इस बार दीपिका पादुकोण भी मौजूद थीं। कार्यक्रम के एक वीडियो-क्लिप में दीपिका कहती हैं, मैं बहुत शरारती बच्ची थी, सोफे और कुर्सियों पर चढ़कर कूदती थी। कभी-कभी हम बहुत तनाव ले लेते हैं। मैं गणित में कमजोर थी और आज भी हूं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी की किताब 'एग्जाम वॉरियर्स' की सराहना की। उन्होंने कहा, ''हमेशा अपने आप को अभिव्यक्त करें, चाहे वह आपके दोस्त, परिवार, माता-पिता, शिक्षकों के साथ हो, अपनी बातों को डायरी में लिखना स्वयं को अभिव्यक्त करने का एक शानदार तरीका है। मैं बस काम करती रही और एक दिन ऐसा आया, जब मैं बेहोश हो गयी और कुछ दिनों के बाद मुझे एहसास हुआ कि मुझे अवसाद है...'' उन्होंने कहा, ''मैं माननीय प्रधानमंत्री को भी धन्यवाद देना चाहती हूं कि उन्होंने 'एग्जाम वॉरियर्स' (परीक्षा योद्धा) के रूप में सामने आने का यह मंच दिया है, न कि 'वरियर्स' (चिंता करने वाले) के रूप में। मैं आप सभी को शुभकामानाएं देती हूं कि आप सभी अपनी परीक्षाओं में बेहतर प्रदर्शन करें।'' दीपिका ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में भी प्रधानमंत्री मोदी का शुक्रिया अदा किया।

उन्होंने लिखा, 'परीक्षा पे चर्चा' अपने 8वें संस्करण के साथ वापस आ रहा है! इस बार हम मानसिक स्वास्थ्य के महत्व पर भी चर्चा करेंगे। इस विषय पर प्रधानमंत्री जी की प्रतिबद्धता के लिए मैं उनका आभार व्यक्त करती हूं और इस एपिसोड के प्रसारण को लेकर उत्साहित हूं।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

ज्ञानयोग, ध्यानयोग, तपयोग आदि कठिन हैं। भगवान की भक्ति में मन को एकाग्र कर मुक्ति का मार्ग प्रशस्त किया जा सकता है। भगवान के प्रति अनन्य प्रीति और समर्पण की भूमिका भक्ति को सार्थक करती है। जैनदर्शन में वर्णित भगवान का स्वरूप समझने जैसा है। जो सर्वदोषों से रहित, राग-द्वेष मुक्त आत्मा हो, सिर्फ उन्हीं को जैनदर्शन में भगवान माना जाता है। ऐसे परमात्मा की निष्काम भक्ति ही आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है। इसलिए जैनदर्शन के अनुसार भगवान और देवी-देवता में मौलिक अंतर है। यहां भगवान का स्थान सर्वोपरि है।

फीता काटकर 'स्टोना 2025' का उदघाटन करते हुए राजस्थान के राज्य मंत्री केके विश्नोई एवं अन्य ।

स्टोना 2025 प्रदर्शनी की बुकलेट का विमोचन करते हुए मुख्य अतिथि व फिग्सी के पदाधिकारी।

मुख्य अतिथि केके विश्नोई का सम्मान करते हुए फिग्सी के एस. कृष्णप्रसाद, मनोजकुमार सिंह, ईश्विन्दरसिंह व मदनलाल जांगिड़

स्टोना प्रदर्शनी में हॉल 1 के स्टॉल 17 पर अपने ग्रेनाइट उत्पादों का प्रदर्शन करते हुए ग्रेनाइट जोन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के रामेश्वरलाल भूतड़ा, रमेश भूतड़ा एवं अन्य ।

फिग्सी के स्टोना प्रदर्शनी में हॉल 1 के स्टॉल नम्बर 68 का अपने एक ग्राहकके साथ फीता काटकर उदघाटन करते हुए भगवती स्टोनस के मनीष महनसरिया व मीनाक्षी स्टोन इंडस्टी के पंकज अग्रवाल। इस स्टॉल पर ग्रेनाइट व ग्रेनाइट से बने विभिन्न स्लेब व ऑर्टिफेक्ट का प्रदर्शन किया गया है।

भारतीय पत्थर उद्योग को एक लाख करोड़ का बाजार बनाने के लिए मेक इन इंडिया को प्रोत्साहित करें : मंत्री कृष्णकुमार विश्नोई

STONA 2025
16th INTERNATIONAL GRANITE & STONE FAIR
12-15, February 2025 Bengaluru, India
Organized by the Federation of Indian Granite & Stone Industry

- चार दिवसीय स्टोना -2025 का हुआ भव्य शुभारंभ
- विभिन्न स्टालों पर व्यापारियों, उद्योगपतियों का खास रेस्पांस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'अब समय आ गया है कि जब हम मेक इन इंडिया और भारतीय युवाओं को प्रोत्साहित करें और उन्हें व्यापार के अधिक अवसर प्रदान करते हुए उनके कौशल में सुधार करें ताकि हम पत्थर और ग्रेनाइट उद्योग को 50000 करोड़ से बढ़ाकर 100000 करोड़ कर सके। आज प्रौद्योगिकी के उन्नयन ने पत्थरों के प्रसंस्करण को बहुत कुशल बना दिया है।' यह विचार बुधवार को राजस्थान सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग राज्य मंत्री कृष्णकुमार विश्नोई ने फेडरेशन ऑफ इंडियन ग्रेनाइट एंड स्टोन इंडस्ट्री (फिग्सी) के तत्वावधान में आयोजित 16वें इन्टरनेशनल ग्रेनाइट व स्टोन फेयर 'स्टोना 2025' के उदघाटन के मौके पर व्यक्त किए।

मंत्री विश्नोई ने फिग्सी द्वारा आयोजित स्टोना प्रदर्शनी के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सराहना करते हुए कहा कि फेडरेशन ने राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्राकृतिक पत्थर उद्योग के विभिन्न हितधारकों को एक मंच पर लाने के अलावा पारंपरिक कारीगरों को शिल्पग्राम के माध्यम से एक मंच प्रदान करने का सार्थक प्रयास किया है। विश्नोई ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विकास योजनाओं के बारे में बताते हुए उन्हें धन्यवाद देते हुए कहा कि फिग्सी को अपने उत्कृष्टता केंद्रों में अनुसंधान और विकास के माध्यम से प्रौद्योगिकी हस्तक्षेप, उत्खनन स्थलों पर उत्पन्न कचरे के प्रसंस्करण पर विशेष ध्यान देना चाहिए ताकि वैश्विक स्तर पर प्राकृतिक पत्थर उद्योग की अच्छी व विकसित छवि बने। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से उद्योग में मूल्यवर्धन भी होगा और प्राकृतिक पत्थर उद्योग से जुड़े श्रमिकों के कौशल में भी अभिवृद्धि होगी।

हर दो वर्ष में लगने वाला इन्टरनेशनल ग्रेनाइट व स्टोन फेयर 'स्टोना' का शुभारंभ तुमकुर रोड स्थित बेंगलूरु इन्टरनेशनल एक्जिबिशन सेन्टर में किया गया। 15 फरवरी तक चलने वाले इस प्रदर्शनी का दीप प्रज्वलित कर व फीता काटकर राजस्थान के कामर्स व उद्योग राज्य मंत्री केके विश्नोई, फिग्सी के अध्यक्ष एस कृष्णाप्रसाद, महामंत्री मनोजकुमार सिंह, स्टोना 2025 के चेयरमैन मदनलाल जागिड़ सहित अनेक पदाधिकारियों ने किया। इस मौके पर फिग्सी के अध्यक्ष कृष्णप्रसाद ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि हम राज्य से उद्योग नीतियों में नए संशोधनों की उम्मीद करते हैं, ताकि उद्योग के समक्ष मौजूदा चुनौतियों का समाधान किया जा सके। उन्होंने बताया कि इन व्यवसायिक स्टॉलों के अलावा, स्टोना 2025 में भूविज्ञान से संबंधित एक सेमिनार भी आयोजित किया जा रहा है, जिसका विषय है 'सुरक्षित और टिकाऊ खनन के लिए कौशल और प्रौद्योगिकी का उपयोग, जिसमें वैज्ञानिक और प्रख्यात वक्ता भाग लेंगे। एस कृष्णप्रसाद ने कहा, वर्तमान में खदान अपशिष्ट का संचय पर्यावरण के लिए खतरा पैदा कर रहा है। इसके बावजूद भी इस अपशिष्ट का रचनात्मक रूप से मूल्य वर्धित उत्पाद के रूप में उपयोग किया जा सकता है जैसे कि समुच्चय, एम-रेत, सड़क निर्माण में उपयोग आदि ।

फिग्सी के सचिव मनोजकुमार सिंह ने फिग्सी की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। मनोजकुमार ने कहा कि फिग्सी का मुख्य उद्देश्य प्राकृतिक पत्थर उद्योग को बढ़ावा व सशक्तिकरण करना है। फिग्सी व्यावसायिक घरानों, कारीगरों, डिजाइनरों के लिए नए अवसर प्रदान करने के लिए एक प्रभावी प्लेटफार्म का कार्य करती है। उन्होंने स्टोना के बारे में बताते हुए कहा कि इस वर्ष आयोजन में 5 हाल सहित आउटडोर में भी स्टोना प्रदर्शनी का आयोजन किया गया है। स्टोना में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के टर्की, चीन, इटली व ईरान के 4 पैवेलियन बनाए गए है। स्टोना के चेयरमैन मदनलाल जांगिड़ ने स्टोना 2025 के बारे में विस्तार से बताते हुए कहा कि 46 हजार वर्गमीटर में आयोजित इस स्टोना प्रदर्शनी में 453 छोटे बड़े स्टॉल लगाए गए है। पत्थर की शिल्पकला व मूर्तिकला को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शिल्पग्राम का आयोजन अलग से किया गया है जिसमें कर्नाटक से 3, राजस्थान से 14, मध्यप्रदेश से 1, ओडिसा से 2, उत्तराखंड से 1 व अन्य 4 शिल्पी अपनी कला की नुमाइश कर रहे हैं। इस प्रदर्शनी में विभिन्न सरकारी व राज्य सरकारों ने भी प्रदर्शनी में अपने अपने स्टॉल लगाए है।

स्टोना प्रदर्शनी में ग्रेनाइट, मार्बल व अन्य प्राकृतिक पत्थरों की प्रदर्शनी के अलावा माइनिंग व पत्थर कटिंग मशीनों के भी स्टॉल है। प्रदर्शनी के पहले दिन बड़ी संख्या में व्यापारी, उद्योगपति, खदानमालिक, रिटेलरों व शिल्पप्रेमियों का अच्छा खासा जमावाड़ा देखने को मिला। प्रदर्शनी में स्टोना 2025 प्रदर्शनी की बुकलेट का विमोचन भी मंत्री व फिग्सी के पदाधिकारियों ने किया।

सेवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के बैटरायनपुरा होसा लेआउट के क्षेमाभिवृद्धि संग द्वारा आयोजित 35वें अणम्मा महोत्सव में अन्नदान कार्यक्रम में सेवा देते हुए विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत।

महालक्ष्मी लेआउट जैन मंदिर में हुआ प्रभु प्रतिमा का विशेष अभिषेक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु । शहर के महालक्ष्मी लेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ जैन मंदिर में माघ सुद पूर्णिमा के उपलक्ष्य में आचार्यश्री सिद्धसेनदिवाकसूरीश्वरजी द्वारा रचित कल्याण मंदिर महास्तोत्र से प्रभु प्रतिभा का महाअभिषेक किया गया। दिव्य सुवर्ण औषधिऔ से संगीत के साथ धनंजयगुरुजी ने विधिविधान व मंत्रोच्चार के साथ प्रभु का अभिषेक करवाया । महिला मंडल द्वारा पचं कल्याणक बड़ी पूजा पढ़ाई गई। पूर्णिमा के मौके पर प्रभु की विशेष अंगरचना की गई। इस मौके पर महाअभिषेक के अभिषेक कान्तिलाल संगीता बेताला परिवार सहित नरेश बंबोरी, चेतनझारमुथा, राकेश दांतेवाड़िया, गौतम बोहरा, पंकज गांधी, बाबूलाल गिलुंडिया आदि उपस्थित थे।

'मीडिया और सामाजिक उत्तरदायित्व 2.0' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

दृश्य संचार विभाग के इस सम्मेलन में सैंकडों विद्यार्थियों ने लिया भाग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां द्वारका दास गोवर्धन दास वैष्णव कॉलेज के दृश्य संचार विभाग ने कॉलेज के हीरक जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में 11 और 12 फरवरी को मीडिया और सामाजिक उत्तरदायित्व 2.0 पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का सफलतापूर्वक आयोजन किया। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम ने विद्वानों, शिक्षाविदों और मीडिया पेशेवरों के लिए समाज और उसकी नैतिक जिम्मेदारियों को आकार देने में मीडिया की उभरती भूमिका पर चर्चा करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य किया।

सम्मेलन का उद्घाटन द न्यू इंडियन एक्सप्रेस के संपादकीय निदेशक प्रभु चावला ने किया, उन्होंने उपस्थित लोगों को संबोधित किया और समकालीन मीडिया चुनौतियों से निपटने में सम्मेलन के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लोग इस तरह आज मीडिया को आरोपित करते हैं जैसे मीडिया ने ही सारी घटनाओं को अंजाम दिया हो। मीडिया का काम है सिर्फ रिपोर्ट करना परंतु इलेक्ट्रॉनिक मीडिया ने बहुत कुछ बदल दिया है इसके अलावा 80 प्रतिशत से ज्यादा मीडिया पर कार्पोरेट का अधिकार है। उन्होंने यह भी कहा कि ए आई सिर्फ वही सूचना हमें देता है जो किसी इन्सान ने ही पहले से अपलोड की हो इसलिए यह इंसानी दिमाग की जगह कभी नहीं ले सकता। किसी भी मीडिया का सामाजिक दायित्व बस यही है कि उसे समाज में जो भी हो रहा हो उसकी सूचना देनी है।

यह कार्यक्रम कॉलेज के सचिव अशोक कुमार मूंदड़ा और कॉलेज के प्राचार्य डॉ संतोष बाबू के साथ-साथ विभिन्न कॉलेजों के संकाय सदस्यों और छात्रों की उपस्थिति में आयोजित किया गया, जिसके बाद डॉ क्रिस्टन रुडिसिल, प्रोफेसर, बॉलिंग ग्रीन स्टेट यूनिवर्सिटी, ओहियो द्वारा एक आकर्षक भाषण दिया गया। इस कार्यक्रम में तीन विषयगत सत्र शामिल थे: मीडिया नैतिकता और मानक, मीडिया विविधता और प्रतिनिधित्व, और मीडिया और कृत्रिम बुद्धिमत्ता, प्रत्येक की अध्यक्षता प्रतिष्ठित शिक्षाविदों ने की और इसमें विभिन्न विषयों पर 51 पत्रों की प्रस्तुति हुई , जिनमें से 15 प्रपत्र छात्रों द्वारा प्रस्तुत किए गए थे।

मीडिया नैतिकता और मानकों पर सत्र की अध्यक्षता सुश्री शर्मिला क्रिस्टी और डॉ मंजुला वेंकटराघवन ने की, जिसके बाद संसाधन व्यक्ति के रूप में यूनिवर्सिटी सेन्स मलेशिया के डीन और एसोसिएट प्रोफेसर डॉ बहियाह उमर के साथ चर्चा हुई। मीडिया विविधता और प्रतिनिधित्व सत्र की अध्यक्षता डॉ अर्चना सी नरहरि और एमआईसीए की सुश्री मनीषा पाठक-शेलत ने की, जिसके बाद संसाधन व्यक्ति के रूप में साई विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ मीडिया की एसोसिएट डीन डॉ उमा वंगल के साथ चर्चा हुई। मीडिया और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मीडिया और एआई पर पैनल चर्चा में पत्रकारिता, गलत सूचना और नैतिक रिपोर्टिंग में एआई की परिवर्तनकारी भूमिका का पता लगाया गया। प्रतिष्ठित पैनल सदस्य वेंकटराघवन, उत्पाद इंजीनियर, एआई, फेडरल, चेन्नई; श्री इयान कार्तिकेयन, मिशन निदेशक, फैक्ट चेक यूनिट, तमिलनाडु सरकार; डॉ. देबोराह राज, प्रमुख, संचार विभाग, मद्रास क्रिश्चियन कॉलेज; और डॉ. जयकृष्णन, सहायक प्रोफेसर, अमृता विश्व विद्यापीठम ने एक व्यावहारिक सत्र में भाग लिया।

इस कार्यक्रम में संकाय सदस्यों, शोध विद्वानों और उद्योग के पेशेवरों सहित 500 से अधिक उपस्थित लोगों ने भाग लिया। विजुअल कम्युनिकेशन विभाग की प्रमुख डॉ जी वसंत ने कहा कि सम्मेलन की इंटरैक्टिव प्रकृति ने प्रतिभागियों को नैतिक पत्रकारिता को बढ़ावा देने, पूर्वाग्रहों को दूर करने और डिजिटल गलत सूचना के युग में विश्वसनीयता बनाए रखने में मीडिया की भूमिका पर विचारों का आदान-प्रदान करने की अनुमति दी। समापन समारोह में जाफना विश्वविद्यालय के वरिष्ठ व्याख्याता और मीडिया अध्ययन विभाग के प्रमुख डॉ. एस. रागुराम ने मीडिया जिम्मेदारी पर निरंतर संवाद की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए वक्ताओं, पैनलिस्टों और प्रतिभागियों के योगदान को स्वीकार किया। इस सम्मेलन ने न केवल ज्ञान के आदान-प्रदान को सुगम बनाया बल्कि एक अधिक जिम्मेदार और नैतिक मीडिया परिदृश्य बनाने के लिए भविष्य के सहयोग को भी प्रोत्साहित किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.